RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 67 ● भिलाई, गुरुवार 11 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

नेपाल की राह पर फ्रांस

सुलग उठी हिंसक आग...लोग मांग रहे मैक्रों का इस्तीफा...

फ्रांस/ एजेंसी

नेपाल में चल रहा जेन जेड आंदोलन अभी थमा भी नहीं था कि एक और मुल्क को हिंसक प्रदर्शनों ने अपनी चपेट में ले लिया। पहले से ही राजनीतिक संकट से जूझ रहे फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इस प्रोटेस्ट को ब्लॉक एवरिथिंग नाम दिया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा प्रधानमंत्री पद के लिए अपने नए उम्मीदवार की घोषणा के एक दिन बाद ही पूरे फ्रांस में दंगे और अशांति फैल गई है। मैक्रों पर अपने पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ने के साथ ही पेरिस में आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के शुरुआती घंटों में लगभग 250 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। विरोध प्रदर्शन हालांकि ऑनलाइन शुरू हुआ था, लेकिन बाद में यह तीव्र होता गया और 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती को चुनौती देते हुए प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को तोड़ दिया जिसके बाद पुलिस ने तेजी से गिरफ्तारियां कीं। गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेन्नेस में एक बस में आग लगा दी गई और दक्षिण-पश्चिम में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से रेलगाड़ियां बाधित हुईं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रात रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। लगभग एक साल में देश को चौथी बार नया प्रधानमंत्री मिला है। ये विरोध प्रदर्शन अब तक मैक्रों के पहले और दूसरे कार्यकाल में छिटपुट रूप से हुए पिछले प्रदर्शनों की तुलना में कम तीव्र दिखाई दे

रहे हैं। वर्ष 2022 में अपने पुनर्निर्वाचन के बाद, मैक्रों को पेंशन सुधारों को लेकर लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू संसद में विश्वास मत हासिल करने में नाकाम रहे थे, जिसके बाद उनकी सरकार गिर गई थी। प्रदर्शनकारियों के समूहों ने सुबह पेरिस के बेल्टवे को अवरुद्ध करने की कोशिश की और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। राजधानी के अन्य हिस्सों में, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर चीजें फेंकी। पेरिस पुलिस ने सुबह तक 159 गिरफ्तारियां दर्ज कीं। गृह मंत्रालय के अनुसार, फ्रांस में अन्य जगहों पर लगभग 100 अन्य लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया। इससे पहले, मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया और उन्हें देश के विवादास्पद राजनीतिक दलों को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के लिए बजट पर तुरंत सहमत कराने का काम सौंपा। 39 वर्षीय लेकोर्नू, फ्रांसीसी इतिहास में सबसे कम उम्र के रक्षा मंत्री थे और 2030 तक एक बड़े सैन्य निर्माण के सूत्रधार थे, जिसे यूक्रेन में रूस के युद्ध से प्रेरित किया गया था। लंबे समय से मैक्रों के वफादार रहे लेकोर्नू अब मुश्किल से एक साल में फ्रांस के चौथे प्रधानमंत्री हैं। सासंदों ने सोमवार को विश्वास मत में लेकोर्नु के पूर्ववर्ती फ्रांस्वा बायरू और उनकी सरकार को गिरा दिया, जो यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए एक नया संकट है।

80,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए

प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि वे अपने आंदोलन के दौरान सब कुछ ठप कर देंगे। हालांकि, आंदोलन शुरू में ठंडा पड़ा रहा और लोगों ने इसमें ऑनलाइन ही मौजूदगी दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड में रहा। फिर जैसे-जैसे दिन बढ़ा और गर्मी ने जोर पकड़ा, यह विरोध प्रदर्शन तेज होता गया। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए। उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद तत्काल गिरफ्तारियां की गईं। लोगों में देश में चौथी बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराजगी है। प्रदर्शन के जरिए लोग नए प्रधानमंत्री को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिन के शुरुआती घंटों में गृह मंत्री ने लगभग 200 गिरफ्तारियों की जानकारी दी।

पीएम मोदी उत्तराखंड का हवाई सर्वेक्षण करेंगे

चल रहे राहत प्रयासों को मजबूत करेंगे-सीएम धामी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तराखंड के साथ एक विशेष जुड़ाव है, यही वजह है कि आपदा के इस चुनौतीपूर्ण समय में राज्य को उनका निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का दौरा राज्य में चल रहे राहत प्रयासों को और मजबूत करेगा।

धामी ने बुधवार को प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए जॉलीग्रांट हवाई अड्डे का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएँ समय पर और कुशलतापूर्वक पूरी हों।

छत्तीसगढ़ एनएचएम फेडरेशन के कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर इंद्रावती नदी के पानी में जल सत्याग्रह करते हुए।

लगाई मदद की गुहार

नेपाल में अशांति के बीच फंसे भारतीय पर्यटक......

नेपाल। हिंसाग्रस्त नेपाल में फँसी एक भारतीय नागरिक ने मदद की गुहार लगाई है। हिमालयी देश में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। उपासना गिल नाम की यह लड़की वॉलीबॉल लीग की मेजबानी के लिए पोखरा में थी। उसने भारतीय दूतावास से उसे और अन्य लोगों को बचाने की गुहार लगाई है। दूसरी तरफ अपनी बहन के साथ कैलाश-मानसरोवर की यात्रा पर गई गौरी के. ने बताया कि वह बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों के साथ एक होटल में फंसी हुई हैं। उन्होंने अपनी दुर्दशा बयां करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

उन्होंने बताया कि जिस होटल में वह ठहरी थीं, वह जलकर खाक हो गया है और उनका सारा सामान कमरे में ही था। उन्होंने आरोप लगाया है कि पर्यटकों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। उन्होंने भारतीय दूतावास और अन्य लोगों से बार-बार मदद की गुहार लगाई है।

अब सुशीला कार्की संभालेंगी नेपाल की कमान!

ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री होगी

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल में भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बाद राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल है। शल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद हिंसक प्रदर्शन में 19 लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर छात्र थे, और यह आंदोलन जल्द ही जड़ जमाए बैठे राजनीतिक अभिजात वर्ग के ख़िलाफ़ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया। 2008 में राजशाही समाप्त होने के बाद से नेपाल के नवजात लोकतंत्र के सामने यह सबसे बड़ा संकट है। इस अशांति ने राजनीतिक अभिजात वर्ग और

देश के बेचैन युवाओं के बीच गहरी दरार को उजागर कर दिया है। केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह, जिन्हें लोग बालेन शाह कहते हैं, नए प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चर्चा में आए। 33 वर्षीय मेयर बालेन शाह ने सोशल मीडिया पर युवाओं का समर्थन किया था। हालांकि कहा जा रहा है कि बालेंद्र शाह ने नेपाल की सत्ता संभालने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता को कौन कंट्रोल करेगा इसको लेकर जेन जेड प्रदर्शनकारियों की तरफ से एक ऑनलाइन बैठक बुलाई गई थी। इस वर्चुअल बैठक में पांच हजार से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया। अभी तक नेपाल के जेन जेड आंदोलन का लीडर माने जा रहे बालेंद्र शाह ने हालांकि युवाओं की अपील का कोई जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि उन्होंने कॉल भी नहीं उठाया। जिसके बाद चर्चा फिर दूसरे नामों की ओर चली गई।

कंबल में लिपटा हुआ मिला महिला का शव, देवर लापता

कोलकाता। उत्तर 24 परगना के गोबरडांगा के साहापुर इलाके में आज तब सनसनी फैल गई जब एक महिला मिठू दत्ता (43) का शव कंबल में लिपटा हुआ मिला। उक्त घटना के बाद से महिला का देवर फरार है। कथित तौर पर, आरोपी देवर प्रदीप दत्ता ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसका शव बिस्तर के नीचे छिपाकर फरार हो गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मिठू का पति करीब दस साल पहले लापता हो गया था। तब से वह अपने दो बेटों के साथ रह रही थी। इसी बीच मिठू का देवर अपनी पत्नी व बच्चों को छोड़कर मिठू के घर में रहने लगा था। स्थानीय लोगों का दावा है कि देवर और पत्नी के बीच विवाहेतर संबंध थे।

राष्ट्रपति मुर्मू दिलाएंगी शपथ

12 सितंबर को उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण कर सकते हैं राधाकृष्णन....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को पद की शपथ ले सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। राष्ट्रपति भवन में 12 सितंबर को एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण संपन्न होगा। 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। यह चुनाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक दिए गए इस्तीफे के बाद

कराया गया था। संसद भवन में मंगलवार को हुए मतदान में राधाकृष्णन को 752 वैध मतों में से प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले थे, जबकि रेड्डी को प्रथम वरीयता के महज 300 वोट ही मिले थे। 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की। उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदाता होते हैं। देश में 17 बार उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ जिसमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन और हामिद अंसारी दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे। निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने बताया, 781 मतदाताओं में से 98.2 फीसदी यानी 767 ने मतदान किया। इनमें 15 वोट अवैध पाए गए जिससे वैध मतों की संख्या 752 रह गई। वहीं एक डाक मत को रद्द घोषित कर दिया गया क्योंकि संबंधित सांसद ने वोट डालने से इन्कार किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य होते हैं। इनमें 245 राज्यसभा से और 543 लोकसभा से हैं।

4447 करोड़ होंगे खर्च

हाईस्पीड कॉरिडोर के तहत मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने आज बिहार को दो बड़े तोहफ़े दिए— भागलपुर दुमका रामपुरहाट रेल लाइन (177 किमी) के दोहरीकरण की परियोजना और मोकामा मुंगेर ग्रीनफ़ील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर (82.4 किमी) का निर्माण। कुल मिलाकर लगभग 7,600 करोड़ से अधिक का निवेश बिहार और उसके पड़ोसी इलाकों में होने जा रहा है। पहली नज़र में यह पहल विकास का स्वागतयोग्य कदम है। मगर सवाल यह है कि क्या यह महज़ अधोसंरचना सुधार है या फिर चुनावी रणनीति का हिस्सादेखा जाये तो रेल दोहरीकरण परियोजना आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कोयला, सीमेंट, खाद और निर्माण सामग्री जैसे उत्पादों की ढुलाई में यह नया ट्रैक सहायक होगा। साथ ही देवघर और तारापीठ जैसे धार्मिक स्थलों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने से पर्यटन को गति मिलेगी। इसके अलावा, लगभग 29 लाख की आबादी और 441 गाँवों तक रेल की सुविधा पहुँचने का दावा भी सरकार के समावेशी विकास नैरेटिव को बल देता है।इसी तरह मोकामाङ्कमुंगेर हाईवे को भी बिहार के औद्योगिक नक्शे का नया पड़ाव माना जा सकता है। मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर इलाक़ा पहले से आयुध कारख़ाने, लोकोमोटिव वर्कशॉप और सिल्क उद्योग के कारण पहचान बना चुका है। हाईवे से रोज़गार और औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने की संभावना है। तेज़ रफ़्तार से चलने वाले वाहनों के लिए यह 100 किमी/घंटा डिज़ाइन स्पीड वाला कॉरिडोर बिहार की सड़कों पर नया अनुभव होगा। परंतु इस

सबके बीच राजनीतिक समय-निर्धारण पर नज़र डालना अनिवार्य है। बिहार विधानसभा चुनाव बस कुछ ही महीनों की दूरी पर हैं और अचानक से दो हज़ारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा संयोग नहीं कही जा सकती। केंद्र की यह रणनीति साफ़ झलकती है कि चुनावी मैदान में उतरने से पहले विकास का कार्ड सबसे आगे रखा जाए। हम आपको बता दें कि बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भाजपा लंबे समय से इस समीकरण को विकास बनाम जाति की बहस में बदलने का प्रयास करती रही है। इन परियोजनाओं से पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि हम रोज़गार और अधोसंरचना पर काम कर रहे हैं, जबकि विपक्ष केवल जातीय राजनीति करता है। धार्मिक महत्व वाले स्थलों को रेल नेटवर्क से जोड़कर भाजपा ने अपने पारंपरिक धर्म और विकास के मेल को भी साधने की कोशिश की है। कैबिनेट ब्रीफिंग में आज जब केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से जब सरकार के इस फैसले के राजनीतिक महत्व से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने एक सूची दिखाते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार सभी राज्यों को विकास की परियोजनाएं देती रहती है और इनका चुनावों से कोई जुड़ाव नहीं होता।बहरहाल, निश्चित ही इन योजनाओं से बिहार की जनता को दीर्घकालिक लाभ होगा।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली रेलवे परियोजना

उन्होंने आगे बताया कि कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी। इसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह तीनों राज्यों को जोड़ने वाली एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली अधिकतम ट्रेन भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती है। इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहां से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर जा सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

बाबा हरिहरनाथ मंदिर में भाजपा नेता राकेश सिंह ने रुद्राक्ष का पौधा रोपण किया

सोनपुर । बाबा हरिहरनाथ मंदिर परिसर में तस्ज्ञ के रिटायर्ड कमिश्नर मोहननाथ मिश्रा द्वारा रुद्राक्ष का पौधा लाया गया, जिसका रोपण भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह और नेपाल से आए बाबा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सदानंद तिवारी, बमबम तिवारी, चंदन मिश्रा, पवन बाबा, मुन्ना सिंह और नंदन सिंह सहित सैकड़ों भक्त गण उपस्थित थे। जब बाबा हरिहरनाथ मंदिर का नया कोरिडोर बन जाएगा, तो यह पौधा मंदिर के दृश्य को और भी शोभनीय बना देगा। इसके अलावा, अब मंदिर में भी रुद्राक्ष उपलब्ध होगा, जो भक्तों के लिए एक विशेष आकर्षण होगा। इस पहल के लिए मोहननाथ मिश्रा और राकेश सिंह की सराहना की जा रही है।

सीएम ममता ने दिया बंगाल-नेपाल सीमा पर शांति स्थापित रखने का संदेश

कोलकाता। नेपाल में बेकाबू हिंसा को लेकर जहां एशिया महाद्वीप में चिंता देखी जा रही है वहीं भारत पूरे विषय पर बारीकी से नजर रख रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच राज्य की उत्तरी जिलों के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। कोलकाता हवाई अड्डे से उत्तर बंगाल के प्रशासनिक दौरे पर रवाना होने से पहले ममता बनर्जी ने कहा, हम नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश, इन सभी पड़ोसी देशों से प्यार करते हैं। मैं सिलीगुड़ी, कालिम्पोंग और नेपाल सीमा से सटे अन्य इलाकों के लोगों से अपील करती हूं कि शांति बनाए रखें और ऐसी किसी भी गतिविधि से दूर रहें जिससे तनाव की स्थिति बने। नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए कई नेताओं के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की। हालात बिगड़ने पर ओली ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री ममता ने साफ किया कि विदेश नीति का अधिकार केंद्र सरकार के पास है और राज्य इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, यह हमारा विषय नहीं है। हमारा पड़ोस अच्छा रहेगा तो हम भी अच्छे रहेंगे। हम चाहते हैं कि पड़ोसी देश में शांति बनी रहे।

जयनगर में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

बरुईपुर। दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर स्थित माजिलपुर नगर पालिका के वार्ड संख्या 6 के हसनपुर इलाके में एक निर्माणाधीन मकान से भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूत्रों से सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ अभिषेक रंजन के नेतृत्व में लगभग 15 लोगों की एक टीम ने रात में उपरोक्त इलाके में छापा मारा। जब पुलिस टीम हसनपुर पहुंची, तो देखा कि घर के अंदर हथियार बनाए जा रहे थे।

बेमेतरा को मिली शिक्षा की ऐतिहासिक सौगात

3 करोड़ की लागत से पीजी कॉलेज में बनेगा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के लिए 6 सितम्बर का दिन शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णिम अध्याय बनकर दर्ज हो गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित 40वें शिक्षक सम्मान समारोह के मंच से उपमुख्यमंत्री माननीय अरुण साव ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की मांग पर नगर के पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) में ?3 करोड़ की लागत से भव्य ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की। इसी गरिमामयी समारोह में कार्यक्रम की बतौर अध्यक्षता कर रहे उपस्थित स्कूली शिक्षा मंत्री माननीय गजेन्द्र यादव ने भी विधायक दीपेश साहू की मांग पर जिले की दशकों पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए नगर के तीन ऐतिहासिक विद्यालयों –पीएम श्री उत्तर बुनियादी शाला बेमेतरा, शासकीय बालक हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बेमेतरा, शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल बेमेतरा के नवीन भवन निर्माण की घोषणा कर दी।

विधायक दीपेश साहू की मेहनत रंग लाई

इन ऐतिहासिक घोषणाओं के पीछे बेमेतरा विधायक माननीय दीपेश साहू की सतत मेहनत और निरंतर प्रयास का परिणाम है। लंबे अरसे से विधायक साहू नगर की शैक्षिक आवश्यकताओं को लेकर सरकार के सामने सशक्त रूप से आवाज़ उठाते रहे। चाहे वह ऑडिटोरियम की मांग हो या फिर तीनों स्कूलों के जर्जर भवनों के स्थान पर नवीन भवन निर्माण की– हर स्तर पर उन्होंने पालकों और विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और सरकार तक पहुँचाया।

विधायक दीपेश साहू ने उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री का जताया आभार

विधायक दीपेश साहू ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का आभार जताये हुए कहा की 'आज का दिन बेमेतरा नगर और पूरे जिले के लिए गर्व और खुशी का दिन है। मैंने सदैव यह प्रयास किया है कि हमारे विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कमी से जूझें नहीं। पीजी कॉलेज में ऑडिटोरियम निर्माण की मेरी पुरानी मांग को माननीय उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी ने स्वीकृति प्रदान कर जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, उसके लिए मैं उनके प्रति दिल से आभार प्रकट करता हूँ। यह ऑडिटोरियम विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्य मों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, बेमेतरा नगर के तीन ऐतिहासिक विद्यालय– पीएम श्री उत्तर बुनियादी शाला बाला बेमेतरा,शासकीय बालक हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बेमेतरा और शासकीय कन्या आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय के नवीन भवन निर्माण की घोषणा हमारे बच्चों के सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। इसके लिए मैं माननीय स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव जी का विशेष रूप से धन्यवाद करता हूँ। उन्होंने विद्यार्थियों और पालकों की भावनाओं का सम्मान किया और मेरी वर्षों से उठाई जा रही मांग को तुरंत स्वीकार कर ऐतिहासिक निर्णय लिया। विधायक दीपेश साहू ने कहा की पिछली कांग्रेस सरकार के समय में केवल स्कूलों का मरम्मत कर खानापूर्ति की जाती थी, लेकिन हमारी भाजपा सरकार, माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साहू जी के नेतृत्व में, ठोस और दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर रही है। हम सभी का संकल्प है कि 'कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे' और इसी दिशा में हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। 'हमारी सरकार ने सदैव शिक्षा के क्षेत्र को प्राथमिकता दी है। बेमेतरा की धरती पर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और उज्ज्वल बनाने के लिए हमने लगातार बड़े-बड़े कदम उठाए हैं। चाहे नालंदा लाइब्रेरी की स्थापना हो या फिर केंद्रीय विद्यालय की सौगात–ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी सरकार हर पल युवाओं की उन्नति के लिए समर्पित है। हम लगातार मांग करते रहे कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार, विष्णुदेव जी के सुशासन के आदर्शों पर चलते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में ठोस और दूरगामी कार्य करे।

हमने की निःशुल्क कोचिंग सेंटर श्रीराम एकेडमी की शुरुआत

विधायक दिपेश साहू ने कहा की हमारा सपना है कि बेमेतरा का कोई भी युवा अपने जिले से बाहर जाकर शिक्षा प्राप्त करने को मजबूर न हो। खासकर गांव, गरीब और किसानों के बच्चे, जिन्हें उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उनके लिए हमने एक नई पहल की है–निःशुल्क कोचिंग सेंटर 'श्रीराम एकेडमी द्य आज इस एकेडमी में न केवल बेमेतरा जिले के, बल्कि अन्य जिलों से भी बच्चे पीएससी, सीजीपीएससी और व्यापम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आ रहे हैं। यह हमारी बड़ी सफलता है। क्योंकि जब बड़े-बड़े कोचिंग संस्थान बिना फीस लिए एक भी बच्चे को पढ़ाने को तैयार नहीं होते, तब हमने निःशुल्क कोचिंग की शुरुआत कर गरीब और प्रतिभावान बच्चों के सपनों को पंख देने का कार्य किया है। मुझे विश्वास है कि श्रीराम एकेडमी से पढ़ने वाले बच्चे न केवल बेमेतरा का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और भारत का भविष्य संवारेंगे। यही बच्चे आगे चलकर देश की रीढ़ बनेंगे और राष्ट्र निर्माण के सच्चे कर्णधार साबित होंगे।

वनांचल में सम्मानित हुए साहित्यकार डॉ हरिहारणो

डोंगरगांव नगर। नगर के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार, छन्द गुरु, मंच संचालक, शिक्षाविद, छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता व गीतकार, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड व द मैजिक बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ.गजेन्द्र हरिहारनो दीप का वनांचल के टाटेकसा हायर सेकेंडरी स्कूल में सम्मान किया गया। शिक्षक दिवस पर आयोजित समारोह में हरिहारणो बतौर मुख्यअतिथि सम्मिलित हुए थे। हरिहारणो के प्रिय विद्यार्थी रहे उद्धव सिंह ठाकुर निवासी ग्राम कल्लूटोला विकासखंड छुरिया वर्तमान में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टाटेकसा में संस्कृत के व्याख्याता हैं। उनके द्वारा विद्यालय में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बतौर आमंत्रित कर सम्मान किया गया। डॉ.गजेन्द्र हरिहारनो दीप व शिक्षक उद्धव सिंह ठाकुर दोनों के लिए यह एक भावुक क्षण था। इस मौके पर पौधारोपण भी किया गया। डॉ हरिहारनो बताया कि पद्मप्राप्त फूलबासन यादव भी उनकी विद्यार्थी रहीं हैं।

जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 19 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा की उपस्थिति मे मंगलवार को कलेक्टरेट के दृष्टि सभा कक्ष मे जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमे जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये। इस दौरान जनदर्शन मे आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही

निराकरण किए गए। आज जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 19 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया। वहीं गंभीर और जांच के आवेदनों को टीएल पंजी पर दर्ज करके, इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दी। इस दौरान जनदर्शन में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे लोगों में से तहसील बेमेतरा के ग्राम पंडरभट्ठा के समस्त ग्रामवासी ने ट्रांसफार्मर 7 साल से व्होवर लोड चलने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील देवकर के ग्राम जामगांव निवासी प्रेमलता बघेल ने अन्त्योदय राशन कार्ड बनाने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील नवागढ़ के ग्राम बाघुल के समस्त ग्रामवासी ने नवीन धान खरीदी उप केन्द्र खोलने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील नवागढ़ के ग्राम मर्देही निवासी शिव कुमार घृतलहरे ने सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत जानकारी दिलाने के संबंध मे आवेदन दिया, इसी प्रकार तहसील बेमेतरा के ग्राम छीतापार के समस्त ग्रामवासी ने आम निस्तारी में बाधक अतिक्रमण को तत्काल हटाये जाने के संबंध में आवेद दिया। इसके अलावा आम नागरिकों ने निराश्रित पेंशन दिलाने, बैटरी चलित ट्रायसायकल हेतु, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा को हटाये जाने, आम रास्ता खुलवाने, वृद्धापेंशन हेतु, दिव्यांगता पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए है। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिलाया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉ. अनिल वाजपेयी, सर्व एसडीएम सहित विभिन्न विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

शिक्षा रत्न अलंकरण से सम्मानित हुई नवाचारी शिक्षिका चंदा सिन्हा

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले शिक्षकों का किया गया सम्मान

बेमेतरा। प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा, छत्तीसगढ़ द्वारा 08 सितम्बर 2025 को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, अकादमिक भवन, राखी मोड़ (चरमुड़िया), कुरूद, जिला धमतरी में प्रातः 09:00 बजे से सायं 5 बजे तक किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, प्रकृति संरक्षण, विज्ञान प्रचार-प्रसार, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कला, संस्कृति, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, रूढ़िवाद उन्मूलन, अंधविश्वास निर्मूलन एवं जन-जागरूकता के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चयनित 100 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं एवं समाज सेवक तथा 10 बाल विज्ञान संचारकों का पाद प्रक्षालन एवं महाआरती, प्रतीक चिन्ह, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला बीजागोड़, विकासखंड साजा जिला बेमेतरा की एकमात्र नवाचारी शिक्षिका चंदा सिन्हा सम्मानित हुई।नवाचारी शिक्षिका चंदा सिन्हा ने बताया कि संस्था द्वारा ऑनलाइन एवं आफ्लाइन फाइलें माँगी गयी थी। जिसमें चयन समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नित नये नवाचार करने हेतु उसका चयन किया गया। नवाचारी शिक्षिका ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने विद्यालय के बच्चों, अपने प्रधान पाठक व सहकर्मी साथियों को दी है। वह संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि वह भविष्य में भी बेहतर से बेहतरीन करने की कोशिश जारी रखेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिषेक शुक्ला, प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा, छत्तीसगढ़ तथा मुख्य अतिथि डा हित नारायण टंडन, सहायक प्राध्यापक विभागाध्यक्ष प्राणी विज्ञान, गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरुद धमतरी, विशेष अतिथि के रूप में अजय मण्डावी (पद्मश्री, छत्तीसगढ़), नीरज वर्मा (इसरो साइंस एक्टिविस्ट, महाराष्ट्र), कालिदास नाकाड़े (यंग खगोल विज्ञान समूह, नागपुर), रश्मि वर्मा (आर.के. साइंस सेंटर, नागपुर), नितिन कुमार पटेल (अगस्त्या इंटरनेशनल फाउंडेशन, भोपाल) एवं संजीव कुमार सुर्यवंशी (राज्य प्रमुख, नवाचार गतिविधि समूह, छत्तीसगढ़) मोती लाल देवांगन (प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन) उपस्थित रहे। चयनित शिक्षकों को मंच में बिठा कर दूध मिश्रित जल से सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के चरण पखारे गए, फिर तिलक चंदन लगा कर शिक्षकों की महाआरती की गई। पद्मश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं मूर्तियों को नहीं करता इंसानों को करने का काम करता हूं, वही काम प्रकृति शिक्षक विज्ञान यात्रा लोगों में जन जागरूकता वैज्ञानिक सोच पैदा करने का कार्य कर रही है। डॉ हित नारायण टंडन ने कहा जिस प्रकार से एक शिक्षकों का सम्मान इस मंच के द्वारा किया जाता है वह सम्मान आज तक मैं कहीं और नहीं देखा हूँ। शिक्षक शिक्षिकाओं का इस प्रकार का सम्मान वास्तव में भाव विभोर कर देता है। जो आप सब शिक्षकों में यह गुण है। इसरो साइंस एक्टिविस्ट नीरज वर्मा ने बस्तर के कई चयनित छात्र-छात्राओं को सतीश धवन श्री हरिकोटा भ्रमण करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। समारोह में सम्मानित होने वाले व्यक्तियों को प्रतीक चिन्ह, मैडल, श्रीफल, शाल आदि भेंट प्रदान किया गया। यह सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने और अन्य लोगों को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना।

25 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बारगांव के 6 खिलाड़ियों का चयन

खिलाड़ियों को व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू (कोच) के कुशल मार्गदर्शन में सिख रहे है खेल का गुण

बेमेतरा। 25 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन राजनांदगांव में दिनांक 09/09/2025 से 12/09/2025 तक आयोजित होने जा रही है जिसमें बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के अंतर्गत शास.उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव से हॉकी खेल में 03 बालक एवं 03 बालिकाओं का चयन राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हॉकी खेल में चयन हुआ है जो बेमेतरा जिले के लिए हॉकी खेल में एक बड़ी उपलब्धि है,सभी खिलाड़ी क्षेत्रीय चयन प्रतियोगिता में अपने खेल का कौशल प्रदर्शन करते हुए बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व किया चयनित होने वाले खिलाड़ी अंडर 19 (सिनियर बालक वर्ग) में तुषार

यादव कक्षा 12 वी, विजय कुमार विश्वकर्मा कक्षा 12 वी,रूपेश कुमार कक्षा 12 वी इसी प्रकार अंडर 19 (सिनियर बालिका वर्ग) में तन्नू बेग कक्षा 11वी,निधि पाटिल कक्षा 11वी,मानसी साहू कक्षा 11वी से सभी खिलाड़ियों के द्वारा क्षेत्रीय चयन प्रतियोगिता हॉकी खेल में अपने खेल का उम्दा प्रदर्शन किया था उसी प्रदर्शन के आधार पर सभी खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हॉकी खेल के लिए चयन हुआ है,राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी दुर्ग जोन की टीम से खेलेंगे राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को 05 जोन में बाटा गया है,रायपुर,दुर्ग,बिलासपुर,बस्तर एवं सरगुजा के बीच रोचक एवं कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा सभी छात्र एवं छात्राए राज्य स्तरीय शालेय हॉकी क्रीड़ा प्रतियोगिता में अपने खेल के उम्दा कौशल का प्रदर्शन करेंगे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव की व्यायाम शिक्षिका (कोच) तुलसी साहू के कुशल मार्गदर्शन में हॉकी खेल प्रशिक्षण लेकर सभी खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओ में भाग लेकर अपने खेल का उम्दा प्रदर्शन प्रस्तुत कर रहे है, व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू (कोच) रोजाना सुबह/शाम स्कूल ग्राउंड में 70 से 80 बालक एवं बालिकाओं को हॉकी खेल का निरंतर अभ्यास कराती है जिसका सुखद परिणाम है आज हॉकी खेल में बारगांव का नाम हॉकी खेल गांव के नाम से जाना जाता है,वर्तमान में बारगांव से 8 बच्चे बिलासपुर, रायपुर एवं राजनांदगांव के एकेडमी में रहकर हॉकी खेल का गुण सिख रहे हैं तथा हर वर्ष सैकड़ों बालक एवं बालिकाओं का चयन जिला स्तर,राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्तर में चयन हो रहे है,जहां वे अपने खेल का उम्दा प्रर्दशन कर मेडल अर्जित कर रहे है,राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में चयन होने पर शा.उच्च.माध्य.विद्यालय बारगांव के प्राचार्य तीक्ष्ण साहू ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि आने वाले समय में अन्य छात्र, छात्राओं को भी प्रेरित करेगी सहित सुरेन्द्र पटेल संकुल समन्वयक सहित स्कूल विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने छात्रों की सफलता पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य कामना की।

नगर में पर्युषण महापर्व के समापन पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

डोंगरगांव नगर। श्री दिगम्बर जैन समाज द्वारा पर्वाधिराज दशलक्षण धर्म महापर्व मनाया गया। आत्म साधना घर-घर शिविर का आयोजन एवं श्रावक श्रावकों द्वारा विशेष तप किये गए। शिक्षक दिवस पर समाज के शिक्षकों का सम्मान किया गया। समापन अवसर पर 8 सितंबर को माताजी के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जैन धर्म के श्रमण संस्कृति उन्नायक आचार्य प्रवर श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज, नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी मुनिराज के आशीर्वाद तथा आर्यिका मां श्री 105 आदर्शमति माताजी ससंघ संघस्थ, आर्यिका मां श्री 105 श्वेतमती माताजी एवं आर्यिका मां श्री 105 विदेहमति माताजी के पावन सानिध्य में पर्युषण पर्व 28 अगस्त से 6 सितंबर तक आयोजित किया गया था। दस दिवसीय पर्व में प्रतिदिन अभिषेक-शांतिधारा, सामूहिक पूजन, तत्त्वार्थसूत्र वाचन, आरती-भक्ति, प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। माताजी के मंगल आशीर्वचन से श्रद्धालुओं को आत्मोन्नति का संदेश मिला। समाज के श्राविका-श्रावकों समीक्षा, पारुल, संस्कृति, स्वाति इशू, डॉ.

दीपा, श्वेता, किरण, शालिनी, प्रभा दीदी, धारा, नेहा, रक्षा, पलक, अभिलाषा, रुपिता, सजल, विजेता, रचना, राशि, ज्योत्सना, निक्की, मयंक, माही, शुभम, पीहू, ऋषिका, अंकिता, श्वेता जैन, संस्कृति जैन, नेहा जैन, दीपांशी, समृद्धि, मयंक मनु, सजल, शुभम जैन लवली, माही जैन, दीपा जैन, रितेश जैन, पारुल आदि ने विशेष तप किया। समाज के महिला मंडल, संस्कार मंडल एवं पाठशाला परिवार द्वारा फैंसी ड्रेस, जोड़ी कमाल की, एक मिनट गेम्स, नृत्य-नाटक, अंताक्षरी एवं भजन संध्या जैसे कार्यक्रमों ने विशेष कार्यक्रम हुए। समापन अवसर पर 8 सितंबर को माताजी के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर सामाजिकजन शामिल हुए।

संयुक्त खदान मजदूर संघ ने उप प्रबंधक गिरीश मढ़रिया को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) दल्ली राजहरा का प्रतिनिधि मंडल लौह अयस्क खदान समूह दल्लीराजहरा के कार्मिक विभाग के उप प्रबंधक गिरीश मढ़रिया से मिला। यूनियन के संगठन सचिव राजेश कुमार साहू ने कहा कि ग्रेड व क्लस्टर के आधार पर नया पदनाम सेल के सभी संयंत्र तथा इकाइयों में दिया गया है तथा इसी आदेश के आधार पर ही भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी विभागों के कर्मचारियों को भी नया पदनाम दिया जा चुका है, जबकि भिलाई इस्पात संयंत्र की खदानों के कर्मचारियों को नया पदनाम यह कहकर नहीं दिया गया है कि माइनिंग मेट, माइनिंग फेरमैन,

ब्लास्टर, इलेक्ट्रिकल सुपरवाइजर आदि पदनाम स्टेच्यूटरी होने के कारण परिवर्तनीय नहीं है, जबकि दूसरी ओर राउरकेला स्टील प्लांट में माइनिंग मेट, माइनिंग फोरमैन और सर्वेयर आदि को भी नया पदनाम दिया जा रहा है, जिसके लिए पिछले दिनों 28 मई 2025 को एक सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। यूनियन के अध्यक्ष श्री निवासलू ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र का खदान विभाग सेल परिवार का अभिन्न अंग है। परंतु एक परिवार के कुछ सदस्यों को नया पदनाम का लाभ दिया गया है, और खदानों में कार्यरत कर्मचारियों को स्टेच्यूटरी पोस्ट की बाधा के नाम पर नए पदनाम से वंचित रखा गया है, जो कि खदान कर्मियों के लिए किसी मानसिक प्रताड़ना से कम नहीं है। कंपनी का उत्पादन लक्ष्य बढ़ाने जाने पर खदान कर्मियों को उत्पादन पूर्ति के लिए अनेक बार *भिलाई देश की शान है, राजहरा भिलाई की जान है* जैसे नारे के साथ उत्साहित तो जरूर किया जाता है, मगर जब उन्हीं खदान कर्मचारियों के लिए नया पदनाम देने जैसे समान अधिकार की बात आती है, तब प्रबंधन उनके साथ स्टेच्यूटरी पोस्ट जैसी बाधा खड़ी कर देता है। यूनियन में अधिकारियों से कहा कि खदान कर्मचारियों को हतोत्साहित ना करें, उनका मनोबल बनाएं रखने के लिए उन्हें वाजिब अधिकार दें, अन्य कर्मचारियों की तरह नया पदनाम शीघ्र प्रदान करें। माइंस के कर्मचारियों के पदनाम के संबंध में माइंस के उच्च अधिकारियों से भी चर्चा हुई है। उप प्रबंधक (मानव संसाधन), गिरीश मढ़रिया ने बताया कि खदान के कर्मचारियों को नया पदनाम दिए जाने के संबंध में कार्रवाई जारी है।

राजहरा परिवहन संघ दल्लीराजहरा का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री से मिले

दल्लीराजहरा। राजहरा परिवहन संघ दल्लीराजहरा का प्रतिनिधि मण्डल देवलाल ठाकुर प्रदेश प्रवक्ता छ. ग. भाजपा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलकर आवेदन देकर मांगो के संबंध में जानकारी देते हुए निराकरण करने की मांग की, जिसपर मुख्यमंत्री जी ने उनकी मांगों के संबंध में दिए गए आवेदन को लेकर कहा की अधिनस्थ अधिकारी से इस मांग के संबंध में जानकारी लेकर हल निकालने का

प्रयास किया जाएगा। ,राजहरा परिवहन संघ के सदस्य ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया की लौह अयस्क का 35 प्रतिशत परिवहन कार्य राजहरा परिवहन संघ के मालवाहकों को दिए हैं। मांग की गई कि हितकसा में नवनिर्मित पैलेट प्लांट से निर्मित पैलेट का आनुपातिक परिवहन कार्य राजहरा परिवहन संघ को दिए जाएं। ,मालवाहक वाहन से परिवहन कार्य चालू होने से इस व्यवसाय से जुड़े अन्य कार्य करने वालो उन सभी के परिवार के लोगो को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लाभ मिलेगा , रोजगार के द्वार खुलेंगे ,शहर का विकास होगा। राजहरा परिवहन संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री से मिलकर उनकी मांगो को उन तक पहुंचाने के लिए देवलाल ठाकुर का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री से मिलने देवलाल ठाकुर प्रदेश प्रवक्ता भाजपा छत्तीसगढ़ सहित राजहरा परिवहन संघ के अतिंदर सिंह संधू, इंद्रजीत सिंह तुली,परविंदर सिंह छतवाल, मनोज दुबे ,अनिल सुथार,अशोक लोहिया, संजीव सिंह, राजू संधू ,रंजीत ,गुरमेज सिंह रंधावा ,बंटी मिश्रा उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चाकूबाजी की घटना के दो आरोपी गिरफ्तार, मोटर साइकिल जाम को लेकर हुआ था विवाद

रायपुर। जिले के नेवरा थाना क्षेत्र में 24 जुलाई 2025 को हुई चाकूबाजी की घटना के दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनुष निषाद (20 वर्ष) और सोनू साहू उर्फहेमंत साहू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों नेवरा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इस घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी 04 क्यू.डी. 4895) को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना 24 जुलाई 2025 की रात करीब 8:30 बजे की है, जब प्रार्थी सतीश यादव के बड़े भाई मुकेश यादव और उनके दोस्त दिनेश साहू अपने घर के सामने बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी धनुष निषाद, पोई उर्फ चन्द्रकांत साहू और उनके अन्य साथियों ने रोड में खड़ी मोटरसाइकिल को हटाने की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने मुकेश और दिनेश को गंदी-गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया, जिससे मुकेश यादव के पेट और भुजा में गंभीर चोटें आईं, वहीं दिनेश साहू के सिर में चोट लगी। घटना की सूचना मिलने पर प्रार्थी सतीश यादव ने नेवरा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के बाद से फरार दोनों आरोपी विश्वसनीय मुखबिर की सूचना के आधार पर घेराबंदी कर पकड़े गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड के लिए माननीय न्यायालय में पेश किया। मामले की जांच अभी जारी है।

रोजी-मजदूरी के बहाने घर से निकलते थे, किराए के कमरे में चल रहा था सट्टा कारोबार, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर शहर में सट्टा जैसे अवैध धंधे पर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए दो सट्टा संचालकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोज़ काम पर जाने का बहाना बनाकर घर से निकलते थे और जोरापारा इलाके में किराए के मकान के हॉल में बैठकर सट्टा-पट्टी लिखते थे। पुलिस ने मौके से नकद रकम और सट्टा पर्ची बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में रूपेश राव 28 वर्ष, निवासी गोकुल नगर, गली नंबर 6, शीतला मंदिर के पास व रोहित चेलक 34 वर्ष है। थाना मौदापारा पुलिस को 6 सितंबर 2025 को सूचना प्राप्त हुई कि जोरापारा में दुर्गेश नामक व्यक्ति के किराए के मकान में दो लोग बैठकर कल्याण ओपन-क्लोज नामक सट्टा खेला रहे हैं। इस सूचना को वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद टीम ने मौके पर रेड कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि आरोपी रोज सुबह घर से काम का बहाना बनाकर निकलते थे और सट्टा खिलाकर शाम को वापस लौट जाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सट्टा पट्टी की कई लिखित पर्चियां और 4000 की नकदी बरामद की है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

हत्या के मामले में 2 आरोपी और 1 नाबालिग सहित 3 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में 26 अगस्त 2025 को एक नाबालिग की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों और एक विधि के साथ संघर्षरत बालक सहित कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय धीरज कुमार (24 वर्ष) और कुलदीप बंजारे (23 वर्ष), दोनों ग्राम कोटा, सतनामी पारा, थाना तिलदा नेवरा, रायपुर के निवासी, के रूप में हुई है। तीसरा आरोपी एक नाबालिग है। घटना की शुरुआत तब हुई जब प्रार्थी ने 26 अगस्त 2025 को थाना तिलदा नेवरा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका नाबालिग पुत्र रात 8:00 बजे गणेश पंडाल देखने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इस सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। 6 सितंबर 2025 को प्रार्थी के पुत्र का शव ग्राम कोटा स्थित बड़े तालाब के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होने पर थाना तिलदा नेवरा में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 373/2025, धारा 137(2), 103(1) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (क्राइम) संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक (विधानसभा) वीरेंद्र चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक (क्राइम) संजय सिंह और थाना प्रभारी तिलदा नेवरा को अज्ञात आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तिलदा नेवरा की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, प्रार्थी से पूछताछ की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मृतक को आखिरी बार विजय धीरज के साथ गणेश पंडाल के पास देखा गया था। इसके आधार पर विजय धीरज को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपने साथी कुलदीप बंजारे और एक नाबालिग के साथ मिलकर हत्या की बात कबूल की। पूछताछ में विजय धीरज ने बताया कि उसने मृतक के साथ अनाचार किया था और मृतक के इसे दूसरों को बताने के डर से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस ने कुलदीप बंजारे और नाबालिग को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ थाना तिलदा नेवरा में धारा 140(4), 61(2)(क) बी.एन.एस. और पॉक्सो एक्ट की धारा 04 के तहत कार्रवाई की गई है। तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की जांच अभी जारी है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना महंगे बिजली बिल की चिंता खत्म

रायपुर। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए एक प्रभावी एवं लाभकारी योजना साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से राज्य के नागरिको को न केवल सस्ती और सतत् बिजली मिल रही है, बल्कि लोग बिजली के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। योजना का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करते हुए घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराना है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। सक्ति जिले के ग्राम दतौद निवासी श्री प्रभुदयाल चंद्रा ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित कराया गया है। योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा श्री चंद्रा को 78 हजार रुपये की अनुदान राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की गई है। इस समन्वित सहयोग से नागरिकों पर वित्तीय भार में उल्लेखनीय कमी आई है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना

श्रमिकों के बच्चों के लिए खुला बेहतर शिक्षा का रास्ता-सीएम विष्णुदेव

- मुख्यमंत्री ने अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में अगले शैक्षणिक सत्र से 200 बच्चों को लाभ दिलाने की महत्वपूर्ण घोषणा
- मुख्यमंत्री साय ने अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का किया शुभारंभ, चयनित बच्चों का किया सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक बच्चों के लिए संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने चयनित बच्चों का सम्मान करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्री साय ने घोषणा की कि अगले शैक्षणिक सत्र से इस योजना का लाभ 200 बच्चों को मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रमिक अनेक समाज के हित के लिए कार्य करता है, परंतु अपने परिवार के लिए बहुत कम समय, संसाधन, ऊर्जा और ध्यान दे पाता है। उनके भी सपने होते हैं कि उनके घर के बच्चे पढ़-लिखकर बेहतर जीवन जिएँ, ताकि भविष्य में मजदूर का बेटा-बेटी केवल मजदूरी न करे, बल्कि समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील और राजनेता बने।इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अंतर्गत श्रमिक बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ में अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की है। इसके तहत प्रदेश के श्रमिकों

के बच्चों को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त होगी। इनका पूरा खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से कार्यक्रम के दौरान निर्माण श्रमिकों एवं उनके बच्चों ने मिलकर योजना का शुभारंभ पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना से अब हम अपने बच्चों के भविष्य को लेकर निश्चिंत हो गए हैं। इस योजना के माध्यम से बच्चों को अच्छी शिक्षा और भविष्य सँवारने का सुनहरा अवसर मिल गया है। हमारे लिए यह एक सपना था, जो अब पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रमिकों से चर्चा करते हुए कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना लागू की गई है। योजना के तहत चालू वर्ष में 100 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को 14 निजी आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इन विद्यालयों में सीबीएसई और आईसीएसई पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई कराई जाएगी। श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज श्रम विभाग के सहयोग से श्रमिक परिवारों के 100 बच्चों का दाखिला प्रदेश के 14 निजी आवासीय विद्यालयों में कराया गया है। सरकार की सोच है कि श्रमिक का बच्चा केवल श्रमिक न रहकर अधिकारी बने और देश की सेवा करे। उन्होंने बताया कि श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग योजना भी संचालित की जा रही है, जिसके निश्चित ही दूरगामी परिणाम सामने आएँगे। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि श्रम विभाग के अंतर्गत तीन मंडल संचालित हैं, जिनमें लगभग 70 से अधिक योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी तेज,नेताओं पर खुलकर विरोध,मंत्री बंगले का किया घेराव...

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में विधानसभा, लोकसभा और नगरीय निकाय चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है। समय-समय पर वरिष्ठ नेताओं के बयान से कार्यकर्ताओं में हताशा और निराशा भी बढ़ रही है। हाल ही में पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे के बयान के बाद गुटबाजी को हवा मिली। वहीं, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के बयान के बाद कांग्रेस में अंदरुनी खींचतान बढ़ गई है। ऐसे में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी 9 सितबर को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका यह प्रवास काफी परेशानियों भरा हो सकता है। कांग्रेस में अलग-अलग गुटों में

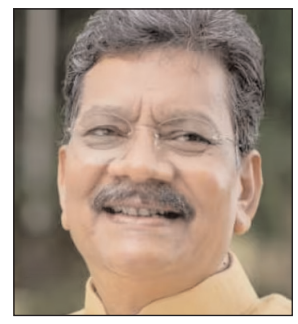

बंटे नेता शिकायतों की झड़ी लगाने वाले हैं। इसके लिए अंदरखाने में तैयारी भी तेज हो गई है। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पूर्व मंत्री चौबे के खिलाफ अनुशासनहीनता का प्रस्ताव पारित करने से गुटबाजी चरम पर आ गई थी। इस दौरान चौबे के समर्थन में एक-दो जिलाध्यक्षों ने समझने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने चमचों को समझने की नसीहत भी दे दी थी। इससे दूसरे गुट के नेता नाराज हो गए। अभी तक किसी ने खुलकर बड़ा बयान नहीं दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी पायलट के प्रवास के दौरान खुलकर अपनी बात रखेंगे। दूसरे गुट के कार्यकर्ता महंत के खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा तैयार कर लिया है। रायपुर कांग्रेस ने मंत्री केदार कश्यप पर चतुर्थ वर्ग कर्मचारी से मारपीट करने का आरोप लगाया है। इसके बाद कांग्रेस ने मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। रविवार को प्रदेश के सभी जिला मुयालयों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन और सांकेतिक तौर पर पुतला दहन किया। कांग्रेस ने मंत्री को हटाने की मांग की है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इसे लेकर सोमवार को राजधानी में मंत्री के बंगले का घेराव किया। हालांकि इस मामले में मंत्री कश्यप ने इस प्रकार की घटना होने से इंकार किया। हाल ही में हुए विवाद से पहले भी भी कांग्रेस के भीतर जुबानी तीर चल चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कहीं थी। हालांकि इस मामले में उन्होंने अपनी सफाई भी दी थी। उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन पूर्व मंत्री चौबे के मामले में संगठन को सख्त होना पड़ा। संगठन का मानना है कि यदि अनुशासन का डंडा नहीं चलाया गया तो आगे परेशानी ओर बढ़ सकती है। बता दें कि इससे पहले रायपुर के पूर्व विधायक ने भी संगठन की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे।

युक्तियुक्तकरण से 16 शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय स्कूलों को मिले शिक्षक

- वनांचल क्षेत्र के बच्चों को अब मिलने लगी बेहतर शिक्षा

रायपुर/ संवाददाता

गरियाबंद जिला अपने प्राकृतिक सौंदर्य, घने वनों और जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र के लिए जाना जाता है। लंबे समय से जिले के मैनपुर, देवभोग, छुरा एवं गरियाबंद विकासखंडों के वनांचल गांवों में शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती रही है। मौहानाला, भीमाटीकरा, धुमरापदर और भरूवामुड़ा जैसे अनेक गांवों के बच्चे वर्षों तक प्राथमिक शिक्षा से वंचित रहे। अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने को लेकर चिंतित रहते थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शासन द्वारा प्रारंभ की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया ने इस स्थिति को बदल दिया है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत जिले में कार्यरत विभिन्न शिक्षक संवर्गों के अतिशेष शिक्षक शिक्षकविहीन एवं एकल शिक्षकीय शालाओं में पदस्थ किए गए है। परिणामस्वरूप जिले के सभी 16 शिक्षकविहीन विद्यालयों और दर्जनों एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अब शिक्षकों की पूर्ति हो चुकी है। प्राथमिक शाला अकलवारा, डोंगरीपाली कांदागढ़ी, मौहानाला, भीमाटीकरा, बोईरगांव, टीमनपुर, धमना, आश्रम शाला भौदी, कुकरार, रावनसिंघी, अमलोर, पीपलाकन्हार, माध्यमिक शाला धुमरापदर, भरूवामुड़ा, कन्या आश्रम नगबेल एवं माध्यमिक शाला ओड़ जैसे स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति होने से अब बच्चों को अपने ही गांव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहते हुए शासन का आभार व्यक्त किया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि देवभोग विकासखंड में पूर्व में 6 हाईस्कूल ऐसे थे, जहां केवल एक-एक शिक्षक कार्यरत थे। एक शिक्षक के भरोसे सभी विषयों की पढ़ाई कराना मुश्किल हो रहा था। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से अब इन सभी स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति हो गई है। इसी तरह मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ गांवों में भी लंबे समय से शिक्षक नहीं पहुंच पा रहे थे, परंतु अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। कुल्हाड़ीघाट, नकबेल, गरीबा, गोबरा और सहेबीनकछार जैसे गांवों में शिक्षकों की पदस्थापना से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ है। शासन के निर्देशानुसार ओपन काउंसलिंग के माध्यम से जिले में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया संपन्न की गई। मैनपुर, देवभोग, छुरा एवं गरियाबंद विकासखंडों में पहले 16 शिक्षकविहीन एवं 167 एकल शिक्षकीय शालाएं थीं, जहां अब आश्यकता के अनुरूप शिक्षक पदस्थ किए गए है। वनांचल एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से जोड़ने में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया मील का पत्थर साबित हुई है।

बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट

11 सितंबर को बस्तर में खुलेगा उद्योग और रोज़गार का नया द्वार

रायपुर। संवाददाता

क्षेत्रीय विकास को नई गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन का वाणिज्य एवं उद्योग विभाग आगामी 11 सितंबर 2025 को बस्तर में इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन करने जा रहा है। यह प्रमुख निवेश संवर्धन पहल इससे पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, रायपुर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टोक्यो, ओसाका और सियोल में सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है। इन आयोजनों के माध्यम से नवंबर 2024 से अब तक ?6.65 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार अब छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट के माध्यम से निवेश संभावनाओं को बस्तर तक ले जा रही है, जो प्रदेश के सबसे गतिशील और संभावनाशील क्षेत्रों में से एक है। बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 202430 के अंतर्गत संतुलित क्षेत्रीय विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस नीति का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता को बढ़ावा और स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि बस्तर की समृद्ध जनजातीय धरोहर और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण भी हो। छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 202430 के अंतर्गत 1000 करोड़ से अधिक निवेश करने वाली अथवा 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है, जिसके तहत बस्तर में होटल, इको-टूरिज़्म, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और खेल सुविधाओं जैसी परियोजनाओं पर 45 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी।

शक करने की आदत से परेशान पत्नि ने कर दी पति की हत्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में पति के शक करने की आदत से परेशान एक पत्नी ने अपने पति की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 7 सितंबर को रात 9 बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक के साले संजय थवाईत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें उन्होंने बताया कि 7 सितंबर को शाम करीब 6 से 7 बजे उनका जीजा सोमराज शराब पीकर घर आया और चरित्र शंका को लेकर अपनी पत्नी दुर्गा से गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। संजय ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। इसके कुछ देर बाद रात करीब 9 बजे दुर्गा ने संजय के घर आई और बताया कि सोमराज ने फिर से उसके साथ मारपीट की जिससे परेशान होकर उसने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी है।

मंत्रालय में हुई विभागीय समीक्षा बैठक,योजनाओं की प्रगति पर हुई गहन चर्चा

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास से जोड़े-खुशवंत

रायपुर/ संवाददाता

मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल में सशक्त बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाएँ, ताकि प्रशिक्षित युवाओं को आसानी से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम चाहते हैं कि हर युवा अपने हुनर के बल पर आत्मनिर्भर बने और उसे बेहतर रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों। मंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों के युवाओं को योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सके। मंत्री श्री साहेब ने कहा कि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री साहेब ने आज मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा,

रोजगार और अनुसूचित जाति विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष बल दिया। मंत्री श्री साहेब ने कहा- छत्तीसगढ़ के तकनीकी संस्थानों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों की श्रेणी में लाने के लिए हमें शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा। प्रयोगशालाओं सहित अन्य सुविधाएँ सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अनुसूचित जाति विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री साहेब ने अधिकारियों से कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र छात्र को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए। यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रशिक्षण और आवासीय सुविधाएँ समय पर रूप से उपलब्ध हों। उन्होंने जिला स्तर पर विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सतत निगरानी हो सके। मंत्री श्री गुरू खुशवंत साहेब ने रोजगार विभाग के अधिकारियों से रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट कैंप, स्कूल और कॉलेजों में कैरियर मार्गदर्शन, ई-रोजगार पोर्टल, छत्तीसगढ़ रोजगार एप, अग्निवीर भर्ती परीक्षा तथा विभागीय नवाचार सहित विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य स्तरीय विशाल रोजगार मेला का आयोजन किया जाए ताकि बेरोजगार नवयुवक नियोजित हो सके। मंत्री श्री साहेब ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुँचना चाहिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ संवाद बनाए रखने, नियमित फील्ड विजिट करने और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष व्यापम श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने व्यवसायिक परिक्षा मण्डल की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही उन्होंने व्यापम द्वारा ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा, पात्रता परीक्षा और भर्ती परीक्षाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। श्रीमती पिल्ले ने आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए किए गए प्रयासों से भी अवगत कराया।

संपादकीय

मिक्स्ड सिग्नल

पूरी दुनिया में जब चीन से आई पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग के बीच की केमेस्ट्री दिखाती तस्वीरों का विश्लेषण हो रहा है, तब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को संभालने की कोशिश की है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का यह बयान भी सकारात्मक संदेश देता है कि ट्रेड डील के लिए अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है।

टैरिफ पर अड़ियल रुख के बावजूद ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन में ऐसे लोग हैं, जो अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व को समझते हैं। मार्को रुबियो उनमें से एक हैं। उनका बयान ही नहीं, उसकी टाइमिंग भी अहम है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते को एकतरफा बताया, उसी दिन रुबियो ने इस साझेदारी को 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता करार दिया।

उन्होंने दोनों देशों की जनता के बीच बनी मित्रता को इंडिया-स्पार्टनरशिप का आधार बताकर हाल में आई कटुता को दूर करने का प्रयास किया है। ट्रंप की छवि ऐसे राजनेता की बन चुकी है, जिसकी नीतियां अस्थिर हैं और जो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने कई ऐसे बयान दिए थे, जिनके बारे में बाद में वाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता का प्रस्ताव हो या अमेरिकी चुनाव में दखल के मामले में रूस को क्लीनचिट देना - ट्रंप ने अपने विदेश विभाग को कई बार असमंजस में डाल दिया था। अगर मौजूदा हालात को देखें, तो अब भी कुछ वैसा ही होता दिख रहा है। ट्रंप का रवैया बातचीत के सारे रास्ते बंद करने का है, लेकिन अमेरिकी रणनीतिकार जानते हैं कि इससे चीजें और बिगड़ जाएंगी। वैसे भी पश्चिमी मीडिया पीएम मोदी की चीन यात्रा और वहां पूतिन से उनकी मुलाकात को अमेरिकी डिप्लोमैसी के लिए बड़े झटके के रूप में देख रहा है। हालांकि भारत ने कभी संवाद का रास्ता बंद नहीं किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बयान इसका सबूत है। दुनियाभर में कारोबारी रिश्तों का विस्तार करने के बावजूद नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के साथ पुराने संबंधों को नहीं छोड़ा है। इस कड़ी में यह भी अहम है कि दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास के लिए अलास्का में जुटी हैं। भारत और अमेरिका ने दो दशकों की मेहनत के बाद अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को यह बात समझते हुए बातचीत के रास्ते खुले रखने चाहिए।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 'विक्रम' नाम दिया गया है।

(ललित गर्ग)

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी।

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 'विक्रम' नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला

अम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

(एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-

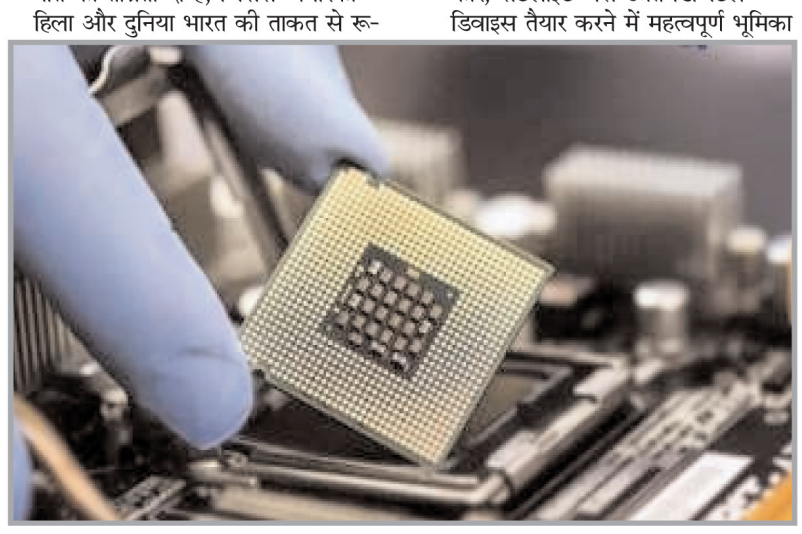

ब-रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। 'विक्रम' माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है।

जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही 'शक्ति' और 'वेगा' जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं।

अमेरिका में रह रहे भारतीय चुप क्यों हैं? क्या देशभक्ति सिर्फ नारों तक सीमित है?

(नीरज कुमार दुबे)

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं– जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है।

अक्सर देखा जाता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर अमेरिका में बसे भारतीय और भारतीय मूल के लोग बड़े जोश के साथ इंडिया डे परेड या अन्य सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाते हैं, तो बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी उनके स्वागत में उमड़ पड़ते हैं और भारत माता की जय के नारों से

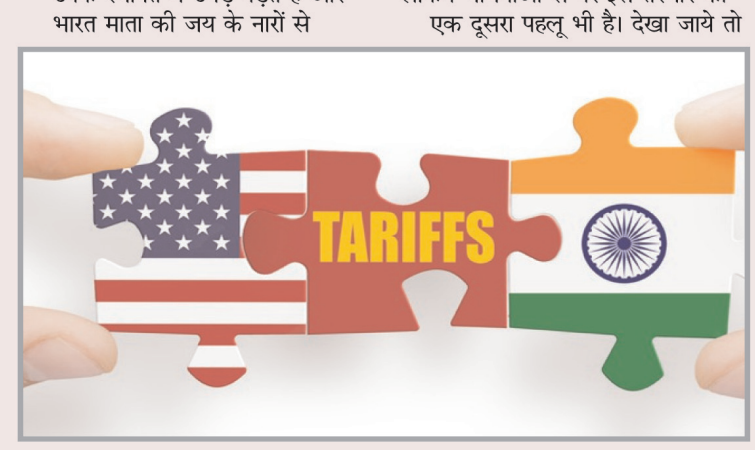

माहौल गूंज उठता है। यह दृश्य निश्चित ही भावनाओं को छूने वाला होता है और मातृभूमि के साथ जुड़ाव को दर्शाता है।

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं– जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है। देखा जाये तो देशभक्ति केवल उत्सवों और नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी राजनीति, मीडिया और नीतिगत हलकों में प्रभावशाली है तो इस प्रभाव का इस्तेमाल भारत की छवि और हितों की रक्षा में क्यों नहीं किया जाता? जब भारत के खिलाफ नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं या अमेरिकी मीडिया में भारत-विरोधी नैरेटिव सामने आ रहे हैं, तब सामूहिक और मुखर आवाज़ का अभाव कहीं न कहीं प्रवासी देशभक्ति की सीमाओं को उजागर करता है।

संभव है कि यह चुप्पी डयूल लायलटी यानी दोहरी निष्ठा के आरोपों से बचने की व्यावहारिक रणनीति हो। यह भी हो सकता है कि भारतीय-अमेरिकी अपने कॅरियर और सामाजिक सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाना चाहते। लेकिन तब सवाल यह उठता है कि क्या देशभक्ति केवल सुरक्षित अवसरों तक ही सीमित रहेगी?

देखा जाये तो भारत आज वैश्विक मंच पर उभरती शक्ति है और उसे प्रवासी भारतीयों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन की ज़रूरत है। ऐसे में भारतीय-अमेरिकियों को यह तय करना होगा कि उनकी देशभक्ति केवल परेड और नारे तक सीमित है या फिर वे कठिन समय में भी भारत के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाएँगे।

लेकिन भावनाओं से परे इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देखा जाये तो भारतीय-अमेरिकी बड़ी संख्या में अमेरिका की कॉर्पोरेट दुनिया, आईटी सेक्टर, मेडिकल प्रोफेशन और वित्तीय संस्थाओं में ऊंचे पदों पर हैं। लेकिन इन सबके बावजूद वे अमेरिकी राजनीतिक तंत्र में अभी भी अल्पसंख्यक माने जाते हैं। किसी भी राजनीतिक विवाद पर खुलकर बोलना उनके लिए कॅरियर और सामाजिक हैसियत पर असर डाल सकता है। खासकर, ट्रंप जैसे नेता जिनकी राजनीति आक्रामक और विभाजनकारी रही है, उनके खिलाफ बोलना भारतीय-अमेरिकियों को असुरक्षित कर सकता है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को अमेरिका में अक्सर माडल मायनर्टी कहा जाता है– यानि एक अनुशासित, मेहनती और कानून का पालन करने वाला समुदाय। इस छवि को बनाए रखना उनके लिए सामाजिक पूंजी का हिस्सा है। यदि वे अमेरिकी नीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाते हैं, तो यह छवि टूट सकती है और उन्हें असहज अल्पसंख्यक के रूप में देखा जा सकता है।

नेताओं को सुधारने के लिए बन रहे हैं इंडोनेशिया जैसे हालात

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है।

(योगेंद्र योगी)

पूर्व सांसदों की पेंशन 25,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है।

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपये (3,075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामें के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया। इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक

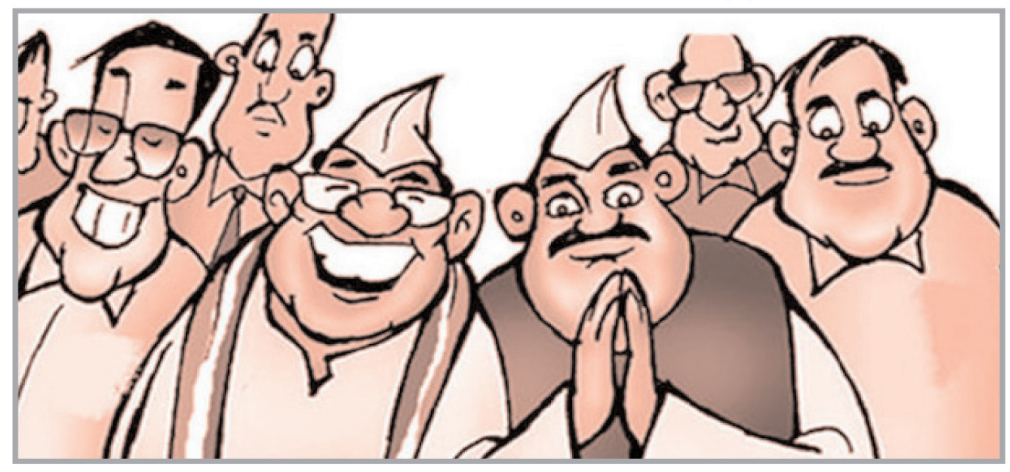

इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण केमुद्दे पर लोक सभा और राज्य सभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधी देशहित के लिए कितने गंभीर हैं।

काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की इगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्रवाई ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा में 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़ रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है। संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन भत्ता जोड़कर हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्रवाई ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला, अब सभी विभागों की खरीदी जेम पोर्टल से अनिवार्य

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार ने शासकीय खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने सभी विभागों को आदेश जारी किया है कि अब सभी वस्तुओं और सेवाओं की खरीदी जेम (ळमड) पोर्टल के माध्यम से ही की जाए। वाणिज्य एवं उद्योग सचिव रजत कुमार ने सभी विभागों के भारसाधक सचिवों को निर्देशित किया है कि हाल ही में कुछ विभागों की खरीदी में अनियमितताएं पाई गई थीं, जिसे रोकने के लिए यह व्यवस्था लागू की जा रही है। मुख्य निर्देश 50 हजार से कम राशि की खरीदी पर भी जेम पोर्टल का ही उपयोग अनिवार्य होगा। किसी विशेष परिस्थिति में अन्य माध्यम से खरीदी के लिए वित्त विभाग की पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी। सभी विभागों में एक खरीदी पर्यवेक्षण इकाई गठित की जाएगी, जिसमें उपसचिव स्तर का अधिकारी और वित्तध्लेखा शाखा के अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होंगे। एक करोड़ से अधिक मूल्य की खरीदी पर विभागीय इकाई विशेष निगरानी रखेगी। खरीदी के विवरण (चमबपपिबंजपवद) में ऐसी शर्तें न जोड़ी जाएं जो किसी विशेष आपूर्तिकर्ता को अनुचित लाभ दें।

गेवरा-पेंड्रा रेल कॉरिडोर निर्माण में राखड़ से किसानों की फसलें और स्वास्थ्य खतरे में

कोरबा। गेवरा-पेंड्रा रेल कॉरिडोर के निर्माण में बड़ी अनियमितता सामने आई है। समतलीकरण कार्य में मिट्टी की जगह बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राखड़ का उपयोग किया जा रहा है, जो अब किसानों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। बारिश के कारण बेतरतीब ढंग से डाली गई राखड़ बहकर भैरोताल और कुचेना क्षेत्र के धान के खेतों में पहुँच गई। किसानों का कहना है कि पिछले एक साल से लगातार बड़ी मात्रा में राखड़ खेतों और खाली जमीन में डाली जा रही है। गर्मियों में यह राखड़ उड़कर आसपास के रिहायशी इलाकों में भी प्रदूषण फैला रही थी। एनटीपीसी दीपका रेल लाइन और बांकी-कुसमुंडा सड़क मार्ग के बीच के खेत भी राखड़ से प्रभावित हुए हैं। किसानों ने मवेशियों को बचाने के लिए हजारों रुपए खर्च कर फेंसिंग करवाई थी, लेकिन राखड़ के कारण उनकी मेहनत बेकार हो गई। स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उच्च न्यायालय जाएंगे और आंदोलन करेंगे। धनरास से कटघोरा रोड तक सड़कों पर राखड़ बिखरी हुई है। तेज हवा में उड़ती राखड़ से धुंध जैसा माहौल बन जाता है, जिससे लोगों और मवेशियों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। किसानों का आरोप है कि ट्रकों की ओवरलोडिंग और परिवहन विभाग की लापरवाही से राखड़ सड़कों पर गिर रही है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

बालको के अयप्पा मंदिर में ओणम उत्सव धूमधाम से संपन्न

कोरबा-। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में ओणम उत्सव बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बालको अयप्पा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार और वरिष्ठ अधिकारियों ने पूजा में भाग लिया। उन्होंने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना कर बालको के उत्तरोत्तर प्रगति एवं कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरे परिसर में भक्तिमय और सांस्कृतिक वातावरण छा गया। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और पारंपरिक फूलों की रंगोलियों (पुक्कलम) ने ओणम की विशेष छटा बिखेरी। पूजा उपरांत भक्ति संगीत और स्तुति से वातावरण और अधिक आध्यात्मिक हो गया। कार्यक्रम में बालको के कर्मचारी एवं टाउनशिप के समस्त श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने पूरे उत्साह से ओणम पर्व का आनंद लिया। कई परिवारों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर इस पर्व की सांस्कृतिक गरिमा को और बढ़ाया। ओणम साद्या (पारंपरिक भोज) की महक और सामूहिकता ने कार्यक्रम को सफल आध्यात्मिक बना दिया। बालको समुदाय में यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव भी बना। कंपनी के जीईटी हॉस्टल में ओणम के अवसर पर रविवार को विशेष भोजन का आयोजन किया गया। 1989 से लगातार हर साल बालको के अयप्पा मंदिर में ओणम का त्योहार मनाया जा रहा है। कंपनी केवल औद्योगिक प्रगति ही नहीं बल्कि समाज और संस्कृति के उत्सवों को भी पूरे दिल से अपनाया है।

जीवन स्तर में आया बदलाव ही योजना की सफलता का पैमाना

धान खरीदी,सड़क मरम्मत,मौसमी बीमारी के प्रति सजग रहें अफसर

- अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने की शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा
- अधूरी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण करने भेजें प्रस्ताव

बिलासपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज जिला अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य लोगों को मदद देकर उनकी आमदनी का जरिया बढ़ाना है। योजनाओं की सफलता का मूल्यांकन भी इसी आधार पर किया जाये कि हितग्राहियों के जीवन स्तर में क्या बदलाव आया है। एक दफा मदद पाने के बाद उनमें इतना विश्वास पैदा हो जाये कि वह अपने दम पर कारोबार संभाल सके। बार-बार उसे सहायता के लिए सरकार या अन्य किसी का मुंह ताकने की नौबत नहीं होना चाहिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। श्री पिंगुआ ने लगभग डेढ़ घण्टे अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर सहित संम्पूर्ण छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि एवं इससे जुड़े कारोबार पर आधारित है। इसलिए किसानों एवं ग्रामीणों की आमदनी दो-गुनी करने के लिए इस सेक्टर पर ज्यादा जोर देना होगा। उन्होंने खेती-किसानी से जुड़े यूरिया एवं अन्य खाद की आपूर्ति और धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने खुशी जताई कि

बड़ी संख्या में किसान अब सब्जी एवं नकदी फसलों की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने इनके सरप्लस उत्पादन के प्रसंस्करण के लिए स्थानीय स्तर पर कोई उद्योग की दिशा में पहल करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बताया गया कि फसलों की स्थिति अभी अच्छी है। यूरिया खाद की 1050 मीट्रिक टन की खेप कल पहुंच रही है। सभी बांध एवं तालाब लबालब भरे हुए हैं। गिरदावरी का काम 90 फीसदी पूर्ण हो गया है। उन्होंने अभी से धान खरीदी की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए। सभी पात्र किसानों का पंजीयन हो जाये, इसे देखें। बारदाना, परिवहन आदि सभी कार्य समय रहते कर लिया जाये। मौसमी बीमारियों की जानकारी से भी अवगत हुए और किसी भी हालात से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि मितानिनों के पास सभी मूलभूत दवाईयां रहें और इनकी निरंतर आपूर्ति बनी रहनी चाहिए। टीकाकरण से एक भी बच्चा न छूटे और अस्पतालों में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र हमेश भरे रहने चाहिए। एसएसपी रजनेश सिंह ने जिले में आगामी दिनों में आने वाले त्योहार, कानून व्यवस्था एवं नशे के विरूद्ध किये गये सख्त कार्रवाई के संबंध में बताया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ई-साक्ष्य के जरिए पुलिस, डॉक्टर एवं अन्य लोगों की न्यायालयों में पेशी के लिए की जारी तैयारियों की भी जानकारी ली। बैठक में उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े विभागों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बरसात की सीजन अब संपन्न होने जा रहा है। सड़क मरम्मत और पक्का पेच वर्क के लिए अभी से सभी तैयारियां कर ली जाये ताकि तत्काल काम शुरू की जा सके। श्री पिंगुआ ने जिले में अधूरी पड़ी सिंचाई योजनाओं को पूर्ण करने के राज्य सरकार के निर्देशों की जानकारी देते हुए इनका जल्द से जल्द प्रस्ताव भेजने को कहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। उन्होंने जिले में शासकीय योजनाओं की प्रमुख उपलब्धियों से अवगत कराया।

सफलता की कहानी कारखाने भी चलने लगे अब सूर्यघर योजना की बिजली से

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के प्रति अब लोगों का रुझान बढ़ाने लगा है, अब घरेलू उपयोग के साथ ही उपयोगिता समझने पर लोग व्यावसायिक उपयोग के लिए भी इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। योजना के तहत कोनी निवासी श्री ओम अग्रवाल ने अपने दो घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, बर्तन बनाने और बेचने के अपने व्यवसाय के लिए भी उन्होंने सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, उन्होंने बताया कि व्यावसायिक उपयोग के कारण बिजली की खपत काफी अधिक थी जिसके कारण बिल भी काफी अधिक आता था। पहले घरेलू उपयोग के लिए उन्होंने छह किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया और इससे मिलने वाले लाभ को देखते हुए व्यावसायिक उपयोग के लिए 10 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है जो उनके

पुत्र मुरली अग्रवाल के नाम पर है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन से अब उन्हें महंगे बिजली के बिल से राहत मिल रही है और उनके दोनों घरों का बिजली बिल काफी कम हो गया है। इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया है। श्री ओम अग्रवाल के पोते संस्कार अग्रवाल ने बताया कि सूर्यघर योजना के विषय में जानकारी मिलने पर उन्होने सबसे पहले घरेलू उपयोग के लिए सोलर पैनल लगवाया जिससे उनका बिजली बिल शून्य हो गया। सोलर पैनल के लाभ को देखते हुए परिवार ने व्यावसायिक उपयोग के लिए भी इसे लगवाने का निर्णय लिया और दूसरे घर में 10 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया। दोनों सोलर पैनल लगवाने पर लगभग नौ लाख की लागत आई जिसमें से केंद्र और राज्य की सब्सिडी मिलाकर दो लाख सोलह हजार खाते में आ गए हैं।

मनरेगा श्रमिकों को रोजगार दिलाने में बिलासपुर जिला प्रदेश में अव्वल

बिलासपुर। शासन की महत्वकांक्षी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ''मनरेगा'' का मूल उद्देश्य ग्रामीण पंजीकृत श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिलासपुर जिले के द्वारा 10 सितम्बर 2025 की स्थिति में प्रदेश में सर्वाधिक 27 लाख 67 हजार 874 मानव दिवस का सृजन किया गया है। जिले के 486 ग्राम पंचायतों में 77 हजार 938 पंजीकृत परिवारों के 1 लाख 27 हजार 337 सदस्यों को मांग के आधार पर रोजगार प्रदाय करते हुए उक्त 27 लाख 67 हजार 874 मानव दिवस का सृजन कराते हुए 6618.10 लाख रुपए का मजदूरी भुगतान किया गया है। उक्त मानव दिवस का सृजन हेतु ग्रामीणों को

स्थानीय स्तर पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण, रिचार्जपीट चेकडेन, वृक्षारोपण, नर्सरी, आंगनबाड़ी भवन इत्यादि कार्यों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मनरेगा योजना के तहत बिलासपुर जिले में 27.67 लाख, कोरबा जिले में 25.07 लाख, कवर्धा जिले में 23.71 लाख, रायपुर जिले में 23.55 लाख, मुंगेली जिले में 23.33 लाख, सक्ती जिले में 22.84 लाख, बलरामपुर जिले में 21.73 लाख, राजनांदगांव जिले में 21.72 लाख, जशपुर में 20.01 लाख एवं बालोद जिले में 19.84 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया।

पीएमश्री विद्यालयों में स्पेशल एजुकेटर और संगीत प्रशिक्षक के लिए आवेदन 16 तक आमंत्रित

बिलासपुर। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा बिलासपुर अंतर्गत जिले में संचालित 06 पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक स्पेशल एजुकेटर एवं 13 पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक संगीत प्रशिक्षक की नियुक्ति की जाएगी। यह सेवाएँ आगामी 31 मार्च 2026 तक ली जाएंगी। इसके लिए पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों से 16 सितम्बर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। चयनित स्पेशल एजुकेटर को अधिकतम 20 हजार प्रतिमाह और संगीत प्रशिक्षक को 10 हजार रूपये का मानदेय प्रदान किया जाएगा। आवेदन के लिए स्पेशल एजुकेटर के लिए न्यूनतम योग्यता के रूप में प्राथमिक स्तर के लिए विशेष शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर के लिए विशेष शिक्षा में स्नातक या बी.एड. की डिग्री अनिवार्य है। संगीत प्रशिक्षक के लिए संगीत में स्नातक डिग्री अनिवार्य है। आवेदक जिले में संचालित पीएमश्री विद्यालय में से किसी एक विद्यालय के लिए ही आवेदन कर सकते है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन 16 सितंबर 2025 तक जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, जिला पंचायत भवन, द्वितीय तल बिलासपुर में जमा कर सकते हैं। आवश्यक योग्यता के संबंध में जानकारी भी कार्यालय में चस्पा है जिसका अवलोकन किया जा सकता है। आवेदन पत्र सीधे स्वीकार नहीं किये जाएंगे। आवेदन पत्र डाक, स्पीड पोस्ट, कुरियर से ही स्वीकार होंगे। विस्तृत जानकारी, आवश्यक योग्यता, नियम एवं शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

सिम्स में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के सभागार में मनोरोग विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. लखन सिंह (चिकित्सा अधीक्षक) सिम्स, डॉ मधुमित्ता मूर्ति विभागाध्यक्ष निसचेतना, डॉ राकेश नहारेल विभागाध्यक्ष शिशु रोग डॉ. चन्द्रहास ध्रुव (अधीक्षक, बालक छात्रावास) एवं डॉ. ज्योति पोर्ते (अधीक्षक, बालिका छात्रावास) उपस्थित रहे। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम आत्महत्या पर वर्णन को बदलना है निर्धारित की है। कार्यक्रम का प्रस्तावना उद्बोधन मनोरोग

विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत नायक ने दिया। इसके पश्चात् डॉ. गौरी शंकर सिंह एवं डॉ. राकेश जांगड़े ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने आत्महत्या को समाज के लिए अभिशाप बताते हुए इसके कारणों एवं बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता का आकलन परीक्षा के अंकों से नहीं, बल्कि अर्जित ज्ञान से होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को आत्महत्या न करने तथा इसके रोकथाम के लिए सक्रिय प्रयास करने की शपथ भी दिलाई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने हर कठिन परिस्थिति में धैर्य एवं संयम बनाए रखने और आत्मबल बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इस पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान मनोरोग विभाग के स्नातकोत्तर चिकित्सकों द्वारा लघु नाट्य का मंचन किया गया, वहीं बिलासा नर्सिंग महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी नाट्य प्रस्तुति देकर आत्महत्या रोकथाम का संदेश दिया। दर्शकों ने दोनों प्रस्तुतियों की सराहना की। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. नायक ने आभार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम का समापन हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. सुधांशु भट्ट ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में मनोरोग विभाग के डॉ. अंकित गुप्ता, डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. प्रियांश, डॉ. अंकिता, डॉ. सत्यस्मिता, डॉ. तुलेश्वर, डॉ. आयुष, डॉ. अलीश, डॉ. किशन एवं सभी इंटर्न विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

वात्सल्य कक्ष:एक संवेदनशील प्रशासनिक पहल

- जिला कार्यालय में एक ऐसा कोना, जहां महिलाएं सिर्फकर्मचारी ही नहीं, एक बच्चे की मां भी हैं

बिलासपुर। बिलासपुर कलेक्टोरेट का जब सुबह 10 बजे दरवाजा खुलता है तब सैकड़ों कर्मचारियों के साथ 55 से अधिक महिलाएं भी कार्यालय में आती है। इस समय कुछ महिलाएं अकेली नहीं होती उनकी गोद में नन्हे बच्चों के रूप में एक और जिम्मेदारी होती है। जिला प्रशासन ने इन माताओं की जिम्मेदारी को समझा। इनकी भावनाओं को समझते हुए कलेक्ट्रेट में एक ऐसा कोना तैयार किया है जो सिर्फ महिलाओं और उनके बच्चों के लिए समर्पित है। जहां बच्चे मुस्कुराते है, महिलाएं सुकून से बैठती है और मातृत्व को एक गरिमामयी स्थान मिला है, इसे वात्सल्य कक्ष का नाम दिया गया है। यह सिर्फईंट पत्थर से बना एक कमरा नहीं, यह मातृत्व का सम्मान है। एक ऐसा प्रयास जो बताता है कि महिला कर्मचारी सिर्फ कामकाजी महिला भर नहीं हैं, वो एक नन्हें बच्चे की मां भी होती है और उस भूमिका के लिए भी दफ्तर में जगह होनी चाहिए। कार्यालय में बहुत सी महिलाएं कार्यरत हैं, जिनमें कई शिशुवती माताएं भी है। उनके लिए दिन के 8-10 घंटे बच्चे से दूर रहना केवल पेशेवर जिम्मेदारी नहीं बल्कि भावनात्मक संघर्ष भी होता है। इसी संघर्ष को समझते हुए जिला प्रशासन ने 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वात्सल्य कक्ष का लोकार्पण किया। एक ऐसी जगह जहां कार्यरत महिलाएं अपने बच्चों को सुरक्षित और स्नेहिल माहौल में रख सकती है। महिलाएं आवश्यकता पड़ने पर भोजन के दौरान बच्चों को खाना खिला सकती है। कुछ देर आराम कर सकती है। घर और कार्यालय के काम को भी संभालती महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने की ये जिला प्रशासन की पहल बहुत ही सराहनीय

है। इस वात्सल्य कक्ष में बच्चों की देखरेख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा यादव और सहायिका चमेली यादव करती है। यहां बच्चों के खेलने के लिए खिलौने, टीव्ही और शैक्षणिक चित्रकारी, आरामदायक फर्नीचर, एसी और पिंक टॉयलेट की सुविधा है। इसमें महिलाओं और बच्चों को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं की गई है। इसका निर्माण जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफमद के प्रावधान अनुसार सक्षम समिति/शासी परिषद द्वारा अनुमोदन उपरांत किया गया है। महिलाओं की आंखों में दिखता है सुकून -कलेक्टोरेट में कार्यरत श्रीमती जूही सोम ने बताया कि यह पहल हमें एहसास दिलाती है कि हमारे मातृत्व को सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारा कोना है, जहां हम अपने बच्चों को रखकर सुरक्षित महसूस करते है। उन्होंने बताया कि एक कामकाजी महिला के लिए नौकरी और बच्चों की परवरिश एक साथ करना चुनौती होती है। हमारी बरसों पुरानी मांग अब पूरी हुई है। पहले हमें या तो अवकाश लेना पड़ता था या बच्चों को कई और छोड़कर आना होता था जिससे हम अपने काम पर भी फोकस नहीं कर पाते थे। अब हम निश्चिंत होकर काम कर पाते है। इसी प्रकार श्रीमती रजनी तिवारी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल उनकी दैनिक चुनौतियों को समझने और उन्हें हल करने की दिशा में मिल का पत्थर साबित हुआ है। अब हम काम पर भी ध्यान दे पा रहे हैं और बच्चों को लेकर निश्चिंत भी है। मां के बनने बाद महिलाओं को बहुत कुछ छोड़ना पड़ता है किंतु इस वात्सल्य कक्ष में हमें हमारी दो दुनियाओं के बीच संतुलन दे दिया है।

युक्तियुक्तकरण से योग्य शिक्षक सुदूर अंचलों में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का पथ कर रहे प्रशस्त

कोरबा। कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के घने वनांचल में बसा छोटा सा गांव मांचाडोली, जहां कभी शिक्षा के नाम पर सिर्फबुनियादी ढांचा था, पर गुणवत्ता का गहरा अभाव था। यहां का हायर सेकेंडरी स्कूल वर्षों तक विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी से जूझता रहा।लालपुर, पाथा, कछार, बुल्हर साइड जैसे आसपास के गांवों से बच्चे पढ़ाई के लिए इसी स्कूल में आते हैं। परंतु दसवीं के बाद, जब संकाय चयन की बारी आती, तो अधिकांश विद्यार्थी सही मार्गदर्शन और विषय विशेषज्ञ न होने की वजह से अपनी रुचि के विपरीत विषय चुनने को मजबूर होते। कला संकाय में शिक्षक के अभाव में कई बच्चों को मनचाहा विषय त्याग कर अन्य संकाय चुनना पड़ता था जिससे छात्रों के लिए पढ़ाई बोझ बन जाती थी, और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता था। युक्तियुक्त करण प्रक्रिया से आया बदलाव का दौर:- राज्य सरकार की शिक्षकों की युक्तियुक्त करण प्रक्रिया के अंतर्गत मांचाडोली के हायर सेकंडरी स्कूल में कला, गणित, विज्ञान व अन्य विषयों के योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षको की पदस्थापना हुई हैं। प्रकिया के तहत मांचाडोली में राजनीति विज्ञान विषय के लिए श्री आर. के. चन्द्रा जैसे विशेषज्ञ शिक्षक की नियुक्ति ने विद्यालय के शैक्षिक परिवेश को नई दिशा दी है। शिक्षक चन्द्रा ने विषय को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा।

एग्री स्टैक में शेष किसानों का जल्द करवाए पंजीयन : कलेक्टर हरिस एस

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि एग्री स्टैक में पंजीयन हेतु शेष किसानों का पंजीयन जल्द पूरा करवाएं इसके लिए राजस्व, कृषि, खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग समन्वय से कार्य को पूर्ण करवायें। कलेक्टर हरिस एस की अध्यक्षता में मंगलवार को समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने पीजी पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन तथा जन शिकायत विभागीय योजनाओं के लंबित मामलों पर चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रकरणों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विभागीय योजनाओं की क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों में कचरा संग्रहण व्यवस्था, सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, सेग्रिगेशन शेड निर्माण दुकान के साथ

निर्मित सामुदायिक शौचालय के संचालन की स्थिति व निर्माण कार्यों की प्रगति और जल उपलब्धता के मुद्दों का संज्ञान लिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इन कार्यों को गति प्रदान की जाए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत इंटरप्राइज फाइनेंस में ऋण प्रकरणों पर सभी जनपदों से विस्तृत चर्चा की गई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक आंगनबाड़ी भवनों की भौतिक प्रगति के साथ ही मनरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा डीएमएफटी मद से निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों की प्रगति का भी संज्ञान लिया। मनरेगा के तहत नवनिर्मित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवनों में उचित मूल्य दुकानों के शिफ्टिंग हेतु शेष कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास (डीएमएफटी) संस्थान के अंतर्गत स्वीकृत देवगुड़ी निर्माण कार्य और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि विकास कार्यों को बारिश के कारण विलंब नहीं होने देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। डीएमएफटी मद से स्वीकृत विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने कहा। इसी क्रम में डीएमएफटी मद से स्वीकृत अन्य विकास कार्यों के अपूर्ण कार्यों की भी समीक्षा की। उरुंगपाल-मुंडागढ़ में कॉफी प्लांटेशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसके लिए आवश्यक कार्यों को तत्काल पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही इतवारी बाजार में मल्टी पार्किंग निर्माण और गोल बाजार में दुकान निर्माण की प्रगति के साथ-साथ अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि के स्वीकृत कार्यों की स्थिति की भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने खाद्यान्न भंडारण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए भंडारण हेतु राशि जमा करने पर व्यवस्था की समीक्षा की। संग्रहण केन्द्र में भंडारित धान का उठाव की स्थिति और उचित मूल्य की दुकानों से बारदानों की दुकानवार जमा करने की स्थिति का चर्चा किए। उन्होंने बारदानों के संग्रहण का सभी एसडीएम के जायजा लेने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना पर पोर्टल में नवीन पंजीयन, पंजीकृत मृत कृषकों के खसरा नंबर सहित जानकारी को शीघ्र उपलब्ध कराने तथा वारिसानों की अद्यतन जानकारी के आधार पर अद्यतन करने पर जोर दिया गया।

उद्यानिकी, मत्स्य पालन तथा पशुधन विकास विभागों से किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य आधारित प्रगति का संज्ञान लिया गया। प्रोजेक्ट प्रस्तावों को विभागीय स्तर पर बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। स्कूल छोड़ने वाले (शाला त्यागी) बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों पर चर्चा हुई। जाति प्रमाण पत्र वितरण के लक्ष्य आधारित प्रगति का मूल्यांकन किया गया।

तीरथधारा महिला क्लस्टर में एकीकृत फार्मिंग योजना के तहत आजीविका सेवा केंद्र का शुभारंभ

जगदलपुर। बस्तर जिले की दरभा जनपद पंचायत में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत नोडल आईएफसी तीरथधारा महिला क्लस्टर संगठन में एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आजीविका सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत दरभा की अध्यक्ष मानकदई कश्यप ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया, जो ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। आजीविका सेवा केंद्र के माध्यम से 16 गांवों की लगभग 1200 महिला किसान दीदियों को घर-घर पहुंचकर सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इन सेवाओं में कृषि सामग्री, बायो संसाधन, टूल बैंक, ब्रूडिंग, कोल्ड चेन, मुर्गी दाना, हैचिंग, हल्दी प्रसंस्करण तथा मंडिया प्रसंस्करण इकाइयों का समावेश है। योजना के तहत उन्नत सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन, हल्दी की खेती, गेंदा फूल की खेती जैसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। आईएफसी का मुख्य उद्देश्य महिला किसान दीदियों को तीन से चार आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें लखपति बनाना है, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित हो सके। शुभारंभ कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष कश्यप ने कहा, यह केंद्र न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के बीपीएम, एसी, संकुल पदाधिकारी, आईएफसी एंकर, सीनियर सीआरपी बिहान, समस्त कैडर समूह की दीदियां तथा तकनीकी सहयोगी संस्था प्रदान के आशीष एवं विकास सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। यह पहल बस्तर के आदिवासी क्षेत्रों में सतत विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी, जो ग्रामीण आजीविका को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

अवैध रूप से रेत का भंडारण व परिवहन की हो उच्चस्तरीय जाँच : विक्रम मण्डावी

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम तहसील के तिमेड, चंदूर और तारलागुडा में भाजपा नेता द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन, भंडारण कर पड़ोसी राज्यों में परिवहन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर क्षेत्रीय विधायक विक्रम मण्डावी ने कलेक्टर से उच्चस्तरीय जाँच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। विधायक विक्रम मण्डावी ने ज्ञापन में रेत ठेकेदार और भाजपा नेता बी गौतम राव पर सरकार का संरक्षण होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जिले के भोपालपटनम तहसील के तिमेड, चंदूर और तारलागुडा में रेत का अवैध भंडारण किया गया है। जिसे भाजपा नेता बी गौतम राव द्वारा बिना पिट पास के अवैध रूप से पड़ोसी राज्य तेलंगाना और महाराष्ट्र में परिवहन किया जा रहा है। विधायक विक्रम मण्डावी ने ज्ञापन के माध्यम से आगे कहा कि तिमेड में बड़े पैमाने पर अवैध रेत के भंडारण को लेकर कथित ठेकेदार

और भाजपा नेता बी गौतम राव पर सरकार द्वारा 28 लाख का जुर्माना लगाते हुए रेत को जप्त किया गया था। किन्तु ठेकेदार द्वारा आज पर्यन्त तक उक्त जुर्माना राशि को जमा नही किया गया है और अवैध रूप से पड़ोसी राज्य तेलंगाना और महाराष्ट्र में लगातार रेत का परिवहन किया जा रहा है। जिले से अन्य राज्यों में रेत का परिवहन नियमों का उल्लंघन है बल्कि खुले आम राजस्व की चोरी भी किया जा रहा है। सरकार के द्वारा पूर्व में रेत का उत्खनन स्थानीय ग्राम पंचायतों को ग्राम सभा के माध्यम से करने का अधिकार दिया था। जिले की रेत का अन्य राज्यों में परिवहन से जिले में रेत की कमी होने के साथ साथ क़ीमत भी आसमान छूने लगी है।अवैध रूप से रेत का अन्य राज्यों में परिवहन किये जाने से स्थानीय जनप्रतिनिधियों में काफ़ी आक्रोश व्याप्त है। इस मामले की तत्काल उच्चस्तरीय जाँच करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने की कलेक्टर से मांग किया गया है।

सूर्य घर योजना से बदल रही ज़िंदगी शिशिर श्रीवास्तव का बिजली बिल हुआ शून्य

कोण्डागांव। ऊर्जा बचत और हरित पर्यावरण की दिशा में केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजनाष् अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों की ज़िंदगी बदलने लगी है। इस योजना का एक प्रेरणादायक उदाहरण कोण्डागांव नगर के सरंगीपाल पारा निवासी शिशिर श्रीवास्तव हैं, जिन्होंने अपनी छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल लगाकर बिजली बिल से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। श्रीवास्तव बताते हैं कि उन्हें इस योजना की जानकारी स्थानीय बिजली विभाग से मिली। योजना के बारे में विस्तार से समझने के बाद उन्होंने आवेदन की प्रक्रिया पूरी की और बैंक ऑफ बड़ौदा से लोन स्वीकृत कराया। इसके साथ ही शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 78 हजार की सब्सिडी का भी लाभ उन्हें प्राप्त हुआ। इस पूरी प्रक्रिया में न तो किसी प्रकार की जटिलता आई और न ही अधिक समय लगा। कुछ ही दिनों में सोलर रूफटॉप सिस्टम उनके घर की छत पर स्थापित हो

गया। 3 किलोवाट की क्षमता वाले इस सोलर पैनल से श्रीवास्तव के घर की संपूर्ण बिजली आवश्यकता पूरी हो रही है।

पहले उन्हें हर महीने औसतन 2 हजार 5 सौ से 3 हजार रुपये का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, गर्मी के दिनों में बिजली बिल 4 हजार तक बढ़ जाता था, लेकिन अब उनका बिल शून्य हो गया है। यही नहीं, सोलर पैनल से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा रही है, जिसके एवज में उन्हें भविष्य में आर्थिक लाभ भी मिलेगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बिजली बिल की चिंता अब पूरी तरह समाप्त हो गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब हमारा घर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत उपभोक्ताओं को घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना से घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिल रही है। इससे एक ओर परिवारों पर आर्थिक बोझ कम हो रहा है, वहीं दूसरी ओर गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता घट रही है।

एनएमडीसी और सिपेट द्वारा युवाओं के लिए नि:शुल्क प्लास्टिक इंजीनियरिंग कोर्स

जगदलपुर। जिला कौशल विकास प्राधिकरण से मिली जानकारी अनुसार राष्ट्र की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्लास्टिक इंजीनियरिंग के निःशुल्क कोर्स संचालित किया जा रहा है। ये कोर्स केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) हैदराबाद में आयोजित किए जाएंगे। उक्त कोर्सेस में 6 महीने के कोर्स, 3 वर्षीय डिप्लोमा और 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सभी कोर्सेस की पढ़ाई पूर्णतः निःशुल्क होगी। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा भी प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद इन युवाओं को देश की अग्रणी संस्थाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण के इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 सितम्बर से 17 सितम्बर तक जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज में संपर्क कर सकते हैं।

बस्तर संभाग में सतत विकास लक्ष्य के डैशबोर्ड में डेटा एंट्री पर कार्यशाला, नया डेटा डैशबोर्ड होगा लॉन्च

जगदलपुर। शासन के सतत विकास लक्ष्यों और छत्तीसगढ़ अंजोर विजन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग स्तरीय एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से नव विकसित सतत विकास लक्ष्य डैशबोर्ड में डेटा प्रविष्टि के संबंध में आयोजित किया गया है। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला शुक्रवार 12 सितम्बर को सुबह 10 बजे से कुम्हरावंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संभागीय स्तर पर सभी जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारियों तथा विभिन्न विभागीय अधिकारियों को सतत विकास लक्ष्य डैशबोर्ड पर डेटा एंट्री का प्रशिक्षण देना है। यह डैशबोर्ड राज्य की विकास योजनाओं की प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होगा।

क्यू-आर कोड के माध्यम से मिलेगी ग्राम पंचायतों के तीन वर्षों के कार्यों की जानकारी

कोण्डागांव। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में क्यू-आर कोड सुविधा शुरू की गई है। इस पहल के तहत अब ग्रामीण अपने पंचायत क्षेत्र में विगत तीन वर्षों में हुए कार्यों की विस्तृत जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे। जिला कार्यालय में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और सीईओ जिला पंचायत अविनाश भोई की उपस्थिति में जनपद पंचायत कोण्डागांव के 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को क्यू-आर कोड प्रदान किए गए। क्यू-आर कोड को स्मार्टफोन के कैमरे से स्कैन करने पर संबंधित ग्राम पंचायत में क्रियान्वित सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक कार्यों की जानकारी पीडीएफ प्रारूप में मोबाइल पर सहज और त्वरित रूप से प्राप्त होगी। जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने बताया कि इस क्यू-आर कोड की सुविधा से योजना में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीणों तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला या जनपद पंचायत कार्यालय तक आने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे समय की बचत होगी और ग्रामीण तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनेंगे।

माओवादी प्रभावित सुरपनगुड़ा में शिक्षा की नई पहल से बच्चों के सपनों को मिली उड़ा

सुकमा। सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड से लगभग 125 किलोमीटर दूर, घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरे सुरपनगुड़ा गाँव में अब शिक्षा की नई सुबह हुई है। पहले जहाँ बच्चों की पढ़ाई शिक्षादूत पर निर्भर थी और माता-पिता शिक्षकों की कमी से चिंतित रहते थे, वहीं अब छत्तीसगढ़ शासन की युक्तिकरण योजना के अंतर्गत प्राथमिक शाला सुरपनगुड़ा में नियमित शिक्षक की नियुक्ति कर दी गई है। यह गाँव माओवादी प्रभावित क्षेत्र में आता है, फिर भी बच्चों की शिक्षा के प्रति प्रशासन का समर्पण सराहनीय है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में युक्तिकरण प्रक्रिया को लागू कर बच्चों की संख्या के अनुसार शिक्षक पदस्थ करने का रास्ता आसान बनाया गया। अब स्कूल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है। पूर्व में स्कूल में कक्षाएँ तो चलती थीं, पर नियमित शिक्षक न होने के कारण बच्चों का भविष्य अधूरा लग रहा था। अब नई व्यवस्था से बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता आई है। अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने में उत्साहित हैं। साथ ही मध्यान्ह भोजन योजना से बच्चों को पोषण और पढ़ाई दोनों का लाभ मिल रहा है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है, चाहे वह किसी भी इलाके में क्यों न रहता हो। युक्तिकरण योजना से हम शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच दोनों को बेहतर बना रहे हैं। सुरपनगुड़ा जैसे संवेदनशील और दूरस्थ क्षेत्र में शिक्षा का दीप जलाना प्रशासन की बड़ी उपलब्धि है। शिक्षक बच्चों को न केवल पढ़ा रहे हैं, बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दे रहे हैं।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने समय सीमा की बैठक में सांसद खेल महोत्सव के पंजीयन की जानकारी लेते हुए इसके सफल एवं गरिमामय आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लक्ष्य की पूर्ति हेतु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिले के सभी महाविद्यालय में प्लेसमेंट कैंप आयोजन हेतु कौशल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए साप्ताहिक प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही स्वीकृत आवासों में मनरेगा भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की और समय पर मस्टर रोल जारी करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने मस्टर रोल जारी करने में लापरवाही पर कार्यवाही करने की बात कही। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे अपने निर्धारित गांव का नियमित निरीक्षण के साथ आश्रम छात्रावासों का भी निरीक्षण करें। साथ ही सभी छात्रावासों में वहां रीडिंग रूम, डायनिंग टेबल और कम्प्यूटर रुम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन की स्थिति की भी जानकारी ली और शेष किसानों का शीघ्र पंजीयन करने को कहा। उन्होंने श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए दीदी ई रिक्शा योजना से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिए और श्रम पंजीयन का आंकड़ा बढ़ाने को कहा। कलेक्टर ने पोस्टल विभाग के सभी ग्राम पंचायत में पदस्थ स्टाफ को साक्षरता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में इसके अलावा उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य की जानकारी ली और नए छात्रावास भवनों के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश दिए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

डॉ. राजाराम त्रिपाठी बने बस्तर-गौरव, अपनी माटी से मिला सबसे बड़ा सम्मान

कोण्डागांव। शा.आदर्श मा.वि. फरसगांव के विशाल प्रांगण में मेरा लक्ष्य, मेरा अभिमान कार्यक्रम के अंतर्गत हजारों लोगों की मौजूदगी में बस्तर अंचल के कई प्रतिभाशाली विभूतियों को बस्तर गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इस आयोजन में लगभग 10,000 लोगों की ऐतिहासिक उपस्थिति रही, जिनमें 5,000 से अधिक युवा और बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल थीं। मुख्य अतिथि माननीय गजेंद्र यादव (मंत्री, स्कूल शिक्षा, छ.ग. शासन) बनाये गए थे।, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय विधायक नीलकंठ टेकाम ने की। टेकाम पहले कोंडागांव के लोकप्रिय कलेक्टर रहे हैं, जिन्होंने आईएएस की नौकरी छोड़कर जन सेवा को जीवन का ध्येय बनाया। जनता की भलाई के लिए उनके सतत प्रयास, निष्पक्ष छवि और कार्यकुशलता के कारण ही जनता ने उन्हें विधानसभा तक पहुँचाया। उनके कार्यशैली में संवेदनशीलता और कर्मठता का ऐसा संगम है जिसने उन्हें आमजन का सच्चा

भरोसा दिलाया है। इस अवसर पर बस्तर के जिन विभूतियों को सम्मानित किया गया उनमें प्रमुख हैं - डॉ. राजाराम त्रिपाठी जो कि जैविक खेती व औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण में अग्रणी रहे व सफेद मूसली, स्टीविया और काली मिर्च की उन्नत प्रजाति विकसित कर पूरे देश को नई दिशा देने वाले तथा आदिवासी समाज के उत्थान हेतु समर्पित हैं । डॉ राजाराम त्रिपाठी के के अलावा पद्मश्री अजय मंडावी काष्ठ शिल्प, कमलोचन कश्यप आईपीएस (डीआईजी पुलिस), महादेव कावरे आईएएस (कमिश्नर रायपुर), नम्रता जैन सहायक कलेक्टर, तीजू राम बघेल लौह कला (राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त), खिलेश्वर जैन प्रमुख समाजसेवी, सुश्री नैना सिंह धाकड़ जी प्रसिद्ध पर्वतारोही संतोष जायसवाल जी व्यवसायी, सुब्रत शाहा अभा पूर्व सैनिक सेवा परिषद बस्तर संभाग तथा सीजी मास्टर टीम कलाक्षेत्र। विशाल सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार विधायक श्री नीलकंठ टेकाम ने कहा - डॉ. राजाराम त्रिपाठी जी ने अपने अदम्य परिश्रम से न केवल बस्तर बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। प्राकृतिक खेती और लुप्त हो रही जड़ी-बूटियों को पुनर्जीवित करने का उनका कार्य ऐतिहासिक है। सफेद मूसली, स्टीविया और विशेषकर काली मिर्च की उन्नत प्रजाति ने हजारों किसानों की जिंदगी बदली है। आदिवासी समाज के उत्थान में उनका योगदान अमूल्य है। ऐसे व्यक्तित्व वास्तव में धरती के सच्चे सपूत हैं।

सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने कहा रू-

देश-विदेश में कई पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त हुए, लेकिन अपनी धरती, अपनी माटी और अपने लोगों से मिला यह 'बस्तर गौरव सम्मान' मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। इसे मैं बस्तर की माटी, अपने आदिवासी भाइयों-बहनों , अपने सभी परिजनों और माँ दंतेश्वरी हर्बल समूह के अपने प्रत्येक साथी को समर्पित करता हूँ। सच्चा सम्मान वही है जो हमें और अधिक समर्पण और ऊर्जा के साथ समाज सेवा के लिए प्रेरित करे। इस अवसर पर केदार कश्यप ने भी कार्यक्रम की तारीफ करते हुए अपने ओजस्वी तथा भावपूर्ण भाषण में बस्तर के युवाओं को कुछ सार्थक कर दिखाने हेतु प्रेरित किया तथा छात्र-छात्राओं के साथ फोटो भी खिंचवाई। कांकेर के युवा विधायक आसाराम नेताम ने आपके भाषण से युवाओं में उत्साह की लहर दौड़ा दी। खिलेश्वर जैन ने देश की आजादी तथा समाज की उन्नति के मूल आधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। नैना धाकड़ ने सभी छात्रों को विशेष कर छात्राओं को प्रेरित करते हुए अपनी अदभुत संघर्ष यात्रा की गाथा सुनाई ।

सीजी मास्टर के प्रस्तुत कर्ता ने बेहतरीन अंदाज से कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए अपने अनुभव के खजाने से सभी युवाओं को लाभान्वित किया तथा प्रेरित भी किया।। कार्यक्रम का एक और प्रमुख आकर्षण स्थानीय छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया श्रक्तबीज नृत्य नाटिकाश् तथा नशामुक्ति पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन विप्लव डे तथा डॉ मधु तिवारी के द्वारा किया गया।

कृषि विभाग द्वारा कृषि केंद्रों का किया गया निरीक्षण

कोण्डागांव । कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन एवं श्री उप संचालक कृषि डीपी ताण्डे के नेतृत्व में जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी को रोकने के लिए निजी उर्वरक विक्रेताओं के परिसर गोदामों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को कोण्डागांव के निजी संस्था पूजा कन्स्ट्रक्शनए उन्नत कृषि बीज केन्द्रए सुहाने एग्रो इंडिया प्रालिमि कोण्डागांव एवं बड़ेकनेरा के गौतम कृषि केन्द्रए बघेल कृषि केन्द्र के संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। उप संचालक कृषि श्री डीपी ताण्डे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कोण्डागांव के उन्नत कृषि बीज केन्द्रए सुहाने एग्रो इंडिया प्रालिमि एवं बड़ेकनेरा के गौतम कृषि केन्द्र में जारी वैध प्रमाण पत्र के आधार पर उर्वरक विक्रय का व्यवसाय नहीं करना पाया गया तथा बोर्ड पर विक्रय दरए साप्ताहिक मासिक प्रतिवेदन नहीं देनाए निर्धारित प्रपत्र.ड में कैश क्रेडिट मेमो जारी न करना प्रपत्र.छ में सुधार न करना एवं पॉस मशीन एवं भौतिक स्कंध में अंतर पाया गया है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि-
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
-अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
-जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
-पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
-सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
-बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
-अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
-अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
-पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
-एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
-अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
-अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
-अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
-मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
-इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
-सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
-आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
-नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विजेताओं को दी बधाई एवं शुभकामनाएं, पांच जोन के 435 बच्चे प्रतियोगिता में शामिल हुए

दुर्ग। 25वीं शालेय राज्य भारोत्तोलन और फेंसिंग प्रतियोगिता का समापन समारोह स्वामी आत्मानंद सभा हाल परिसर पाटन जिला दुर्ग में मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने किया। इस अवसर पर प्रतिभागी बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि खेल जीवन में बहुत जरूरी है। विशेषकर आज के दौर में तो बहुत जरूरी है खेल स्पर्धा। हमारे शरीर के मानसिक, बौद्धिक विकास के लिए खेल श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने खेलो इंडिया अभियान चलाया है। खेल प्रतियोगिता होता है तो स्वाभाविक रूप से कंपीटिशन का भाव आता है और जीतने की ललक बनी रहती है। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता सहित प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। स्कूल शिक्षा मंत्री ने मेहनत पर जोर देते हुए कहा कि एक चींटी से भी हमें प्रेरणा लेनी चाहिए जो कि अपने क्षमता से अधिक भार का वहन करती हैं। उन्होंने नारायणपुर जिले के मलखम खेल के संबंध में भी अवगत कराते हुए कहा कि दुर्ग जिला के कोच नारायणपूर जाएंगे और सीखकर आयेंगे जिससे कि हमारे यहां के बच्चे भी मलखम में नाम रोशन करें। पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक दक्षता में भी बच्चों के लिए आवश्यक है। संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने स्वागत और आयोजन का प्रतिवेदन पठन किया। कार्यक्रम का संचालन मोहित शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान विजेता प्रतिभागियों को कैबिनेट मंत्री यादव ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर, कल्पना साहू, निशा सोनी, रागिनी बंछोर, राजेश चंद्राकर, लोकमणी चंद्राकर, लालेश्वर साहू, खेमलाल साहू, जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, सरपंच अध्यक्ष विनय चंद्राकर, केवल देवांगन, नेहा बाबा वर्मा, एसडीएम लवकेश ध्रुव, राजू साहू, डोनेश्वर साहू, नारद साहू उपस्थित रहे।

''ऑपरेशन बॉज'' के तहत वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया

आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुये निर्देश

मुंगेली । पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुये जिले मे असामाजिक व अवैध गतिविधियों मे संलिप्त रहने वालों पर कड़ी नजर रखते हुये ''ऑपरेशन बॉज'' के तहत वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन मे अति.पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मयंक तिवारी के मार्गदर्शन पर मुखबीर द्वारा पुलिस को सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति जो सफेद कलर का फूल टीशर्ट व नीला कलर का जिस पहना हुआ है जो मलाई घाट चैपाटी के सामने मुंगेली के पास में अवैध रूप से तलवार लेकर घुम रहा है और आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है, जिससे मलाई घाट मुंगेली में भय का वातावरण निर्मित हो गया है कि सूचना पर थाना सिटी कोतवाली मुंगेली पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर कुनाल उर्फ नीशू यादव पिता दीपक यादव उम्र 18 वर्ष 09 माह साकिन एन्ड्रज वार्ड दाऊपारा मुंगेली, थाना सिटी कोतवाली मुंगेली, जिला मुंगेली छ.ग. को तलवार लहराते पाये जाने पर एक नग लोहे का तलवार को गवाहो के समक्ष जप्त कर आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से थाना सिटी कोतवाली मुंगेली मे अपराध दर्ज किया गया, आरोपी कुनाल उर्फ नीशु यादव के विरूद्ध पुर्व मे भी मारपीट जैसे अपराध दर्ज है, आरोपी कुनाल को विधिवत गिरफ्तार कर आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली त्यौहार के मद्देनजर रखते हुये शहर मे पैदल जुलुस निकाला गया, जिसे न्यायिक रिमाण्ड पर 09.09.2025 को जेल दाखिल किया गया। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने बताया कि जिले मे अवैध गतिविधियों मे संलिप्त रहने वालो के विरूद्ध सख्त एवं कड़ी कार्यवाही की जावेगी, आगामी नवरात्रि, दशहरा, दीपावली त्यौहार शांतिपूर्ण मनाने की अपील की गई। उक्त कार्यवाही मे निरी.कार्तिकेश्वर जांगड़े थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली, सउनि मधुकर रात्रे, प्र.आर. लोकेश्वर कौशिक, आर.योगेश यादव, विकास ठाकुर, अजय चंद्राकर, जलेश्वर कश्यप, राहुल ठाकुर, दीपसिंह खुटे, भागवत साहू, राधे ध्रुव की अहम भुमिका रही।

आदि कर्मयोगी अभियान : ब्लाक स्तरीय प्रोसेस लैब का हुआ शुभारंभ

मुंगेली । जनजातीय क्षेत्रों में सेवा संकल्प और समर्पण के प्रेरक आदर्शों के साथ जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने ''आदि कर्मयोगी अभियान'' की शुरूआत की गई है। अभियान के तहत कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में मुंगेली विकासखण्ड के अधिकारियों को जनपद पंचायत कार्यालय मुंगेली में दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय प्रोसेस लैब का शुभारंभ किया गया। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र खाण्डेकर ने बताया कि यह कार्यक्रम 09 सितम्बर तक आयोजित होगी। इसका उद्देश्य जनजातीय समाज के विकास से जुड़े स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य योजनाओं की समग्र पहुँच सुनिश्चित करना है। जनपद पंचायत सीईओ राकेश साहू ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागी ब्लॉक स्तरीय टीमें सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगी, जिससे इन गाँवों का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। मास्टर ट्रेनर सुनील राठौर एवं डॉ. मनीष बंजारा ने बताया कि इस कार्यशाला से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव आएगा। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

नवागांव कांड : चाकूबाजी में घायल दूसरे शख्स की भी मौत, परिजनों में आक्रोश

आपसी रंजिश पर हुआ था विवाद, पुलिस ने नाबालिक सहित 9 को गिरफ्तार किया

राजनांदगांव। बजरंगपुर-नवागांव में हुए हत्याकांड मामले में घायल शख्स की भी मौत हो गई। इसके बाद से वार्ड सन्नाटा पसरा हुआ है, लेकिन लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसे लेकर पुलिस भी अलर्ट हो चुकी है। घायल किशन राजपूत को गंभीर हालत में रायपुर के हास्पिटल में एडमिट किया गया था, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी और उपचार के दौरान उसकी जान चली गई। इस कांड में पहले ही राकेश ढीमर की मौत हो चुकी है और पुलिस मामले में नाबालिक सहित 9 आरोपियों को अरेस्ट कर चुकी है। लेकिन अब किशन के मौत के बाद माहौल और गरमा गया है। देर शाम तक परिजन शव को लेकर राजनांदगांव नहीं पहुंचे थे, पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी उनका रोष है, सूत्रों की मानें तो पुलिस के खिलाफभी प्रदर्शन की तैयारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 7 सितंबर को शाम तकरीबन सात बजे कुछ युवक बजरंगपुर नवागांव में रहने वाले अजय राजपूत के घर आए। अजय से आरोपियों की पुरानी रंजिश थी। इस पर में गाली-गलौज करने और जान से मारने की बात करने लगे। इस विवाद को होता देख पड़ोसी राकेश ढीमर मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव करने लगा। इसी बीच तो अभय मिश्रा और एक अन्य लड़के ने चाकू से राकेश के पेट के दाहिने तरफ और सीने के बांये तरफ हमला कर दिया। इस दौरान अजय के पिता किशन सिंह राजपूत भी बीच बचाव करने लगा तो पृथ्वी भट्ट ने धारदार हथियार से सीने में वार कर दिया और आशीष ठाकुर के सिर में वार कर चोट पहुंचाया गया। तीनों घायलों को मेडिकल कालेज पेण्ड्री ले गये जहां पर इलाज के दौरान राकेश ढीमर की मौत हो गई।

इन आरोपियों को पुलिस ने किया अरेस्ट

वारदात के बाद पुलिस मामले में आरोपियों की तलाश में जुट गई। इसके बाद पुलिस ने पृथ्वी भट्ट पिता राजेश भट्ट उम्र 18 साल बजरंगपुर नवागांव, तौसिफ खान पिता जाहिद खान उम्र 18 साल गौरी नगर जीत साहू पिता दिलीप कुमार साहू उम्र 20 साल पुनम कालोनी वर्धमान नगर, मोहम्मद अहमद पिता मोहम्म सरीफ उम्र 19 साल साकिन इस्कान विहार कालोनी, विमल कुमार यादव पिता विरेन्द्र सिंह यादव उम्र 22 साल बख्तावर चाल तुलसीपुर, शेख रजा उर्फ राजा पिता शेख ईसाद उम्र 18 साल गौरी नगर, शेख उर्फ सोनू खान पिता आसीफ खान उम्र 18 साल गौरी नगर वार्ड और अन्य दो विधि से संघर्षत बालक को गिरफ्तार किया।

राज्य स्तर के कृषि अधिकारी ने किया जिले के कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण

मुंगेली । कृषि विभाग रायपुर के संचालक राहुल देव के निर्देश पर कृषि संचालनालय रायपुर के उप संचालक चिरंजीवी सरकार ने विकासखण्ड मुंगेली अंतर्गत सेवा सहकारी समिति पंडरभट्ठा एवं संग्रहण केन्द्र मुंगेली का औचक निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने सेवा सहकारी समिति पंडरभट्ठा में स्टॉक मिलान में अनियमितता पर संबंधित सेवा सहकारी समिति को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और 02 दिवस के भीतर अनियमितता को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि मुंगेलीएम.आर. तिग्गा, जिला विपणन अधिकारी मुंगेली मनोज यादव, सी.सी.बी. नोडल अधिकारी मुंगेली संतोष सिंह ठाकुर, सहायक संचालक कृषि कार्या संयुक्त संचालक कृषि बिलासपुर अशोक सिंह बनाफर, सहायक संचालक कृषि मुंगेली ललिता मरावी, अनुविभागीय अधिकारी मुंगेली सुभाष सोनी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी के.एल. मनहर, के.पी. घिडोरे, जिला उर्वरक निरीक्षक मुंगेली एम.एल. कुर्रे, राजेश साहू और ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी डी.के. भास्कर मौजूद रहे।

रिचेक का रिजल्ट नहीं, 5वें सेमेस्टर में प्रवेश अटकेगा छात्रों ने आटोनॉमस डिपार्टमेंट में जड़ा ताला

- दिग्विजय कॉलेज में छात्रों के साथ एनएसयूआई का प्रदर्शन, गेट पर बैठ की नारेबाजी

राजनांदगांव। जिले के सबसे दिग्विजय कॉलेज में पढ़ने वाले बीकॉम के छात्रों का गुस्सा फुट पड़ा। छात्रों का कहना है कि उन्होंने बेहतर पेपर बनाया, लेकिन वे फेल हो गए। जब रिचेक कराया गया, बाकायदा उसकी फीस भी जमा की। लेकिन अब तक उसका रिजल्ट नहीं दिया गया है। ऐसे में वे पांचवे सेमेस्टर में एडमिशन नहीं ले पाएंगे। इसे लेकर छात्रों ने एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रदर्शन किया और आखिर में बीकॉम के आटोनॉमस डिपार्टमेंट में ताला जड़ दिया। छात्रों ने कहा कि रिचेकिंग हो और उत्तर पुस्तिका की एक कॉपी उपलब्ध कराई जाए। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अमर झा ने बताया कि दिग्विजय कॉलेज के 90 छात्र फेल हो गए। अब वे रिटोटल के फार्म भरे। उसका रिजल्ट जारी नहीं किया गया, इसे लेकर कुछ दिन पहले एनएसयूआई कार्यकर्ता और कुछ छात्रों ने कालेज प्रबंधन से मुलाकात परेशानी भी बताई थी। लेकिन उसका निराकरण नहीं किया गया। अब स्थिति यह है कि छात्र पांचवे सेमेस्टर में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। इस कारण छात्रों के साथ पढ़ाई की समस्या आ रही है। छात्र नेता अमर झा ने कहा कि नई शिक्षा नीति जब से लागू हुई है, तब से स्टूडेंट्स के साथ-साथ कॉलेज के प्रोफेसर भी परेशान है। नई नीति उन पर थोपी जा रही है और सबसे ज्यादा नुकसान छात्रों को उठाना पड़ रहा है।

पहले मुंडन, फिर बेराजगार मेला, अब जल सत्याग्रह एनएचएम कर्मचारियों का लगातार प्रदर्शन

कलेक्टोरेट के सामने पिछले 23 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे कर्मचारी

राजनांदगांव। एनएचएम कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर पिछले 23 दिनों से हड़ताल पर बैठे हैं। वे हर दिन किसी न किसी तरह से अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्व में मुंडन कराकर, आदेश की प्रतियां जलाकर, बेरोजगार मेला लगाकर तो मंगलवार को हड़तालियों ने पानी में उतरकर जल सत्याग्रह किया। इस दौरान युवा कांग्रेस का भी समर्थन उन्हें मिला और युवा नेता निखिल द्विवेदी उनके साथ प्रदर्शन करने पहुंचे। पहले दिन से ही हड़ताली कर्मचारी मोदी की गारंटी पूरी नहीं होने की बात कर रहे हैं। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार उनके साथ वादाखिलाफी कर रही है, उनके साथ दोहरी नीति अपनाई जा रही है। उसके विरोध में ही वे आज जल सत्याग्रह कर रहे हैं। कर्मचारियों ने कहा कि काफी दिनों से वे हड़ताल पर है, लेकिन सरकार की संवेदनशीलता ही है कि अब तक कोई बातचीत उनके साथ नहीं की गई है। हड़तालियों ने कहा कि उनकी आस अब पानी-पानी होती दिख रही है, इस कारण वे जल सत्याग्रह कर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी दोहरी नीति को बंद करें और उनकी मांगों पर गौर करे। हड़तालियों ने कहा कि मांगे नहीं मानी गई तो उनका आंदोलन और उग्र होता जाएगा। सरकार भ्रमित करने का भी काम कर रही है कि पांच मांग मान ली गई है लेकिन ऐसा कोई भी पत्र उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी

जल सत्याग्रह के दौरान हड़ताली एनएचएम कर्मचारियों ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें आश्वासन नहीं आदेश दे। जो मांगें की जा रही है, उसे पूरा किया जाए। चुनाव के पूर्व जो वादे किए गए थे, उसे पूरा किया जाए। वादाखिलाफी को लेकर एनएचएम कर्मचारियों का आक्रोश हर दिन बढ़ता ही जा रहा है।

यादव महिला छात्रावास निर्माण हेतु 30 लाख रुपये की घोषणा की, मंत्री यादव सम्मान समारोह में हुए शामिल

सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं : गजेन्द्र यादव

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव रिसाली दशहरा मैदान भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के विशाल अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। मंत्री यादव के पहुंचने पर समाज की पारंपरिक टोली ने नाचते-गाते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। समारोह में मंत्री जी को विशेष पारंपरिक वेशभूषा पहनाई गई और उनके हाथ में सजी हुई लाठी भी भेंट की गई, जो यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। मंत्री यादव को विभिन्न जिलों से आए यादव समाज के गणमान्य लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि समाज की एक बड़ी आबादी आज भी आर्थिक रूप से कमजोर है, जिसे आगे लाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर यादव समाज के लोग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं और समाज को एक नई दिशा दे सकते हैं। मंत्री यादव ने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। यदि परिवारों को समृद्ध बनाना है, तो बच्चों को अच्छी शिक्षा देना और उन्हें जागरूक बनाना आवश्यक है। उन्होंने यादव समाज के लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें और सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इससे न केवल परिवार का विकास होगा, बल्कि पूरे समाज का उत्थान भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस अवसर पर मंत्री यादव ने समाज के लिए विभिन्न स्थलों पर चार सामुदायिक भवनों के निर्माण हेतु प्रत्येक को 20-20 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने 5 लाख रुपये की स्वेच्छानुदान राशि देने की भी घोषणा की। इसके बाद वे दुर्ग स्थित पचरीपारा में कोसरिया यादव समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने यादव महिला छात्रावास के निर्माण हेतु 30 लाख रुपये देने की घोषणा की, जिससे समाज की छात्राओं को आवासीय सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने पाटन सरपंच की मांग पर शासकीय प्राथमिक शाला परेवाडीह में संचालित विद्यालय के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, झेरिया यादव समाज प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव, प्रदेश संरक्षक जगतराम यादव व सुकालु राम यदु, प्रदेश उपाध्यक्ष झेरिया यादव समाज भगत सिंह यादव, रिसाली पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेन्डे, प्रदेश सचिव सुंदर लाल यादव सहित यादव समाज के जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

गौ सेवा संकल्प अभियान : गायों की सेवा और संरक्षण के लिए किसान हो रहे जागरूक

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशानुसार और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में जिले में गायों की सेवा, संरक्षण एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 'गौ सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बेसहारा एवं सड़कों पर छोड़े गए मवेशियों के बेहतर प्रबंधन, सेवा और संरक्षण को सुदृढ़ करना है। अभियान के तहत ग्रामों में गौ चैपाल का आयोजन कर गौ मित्रों का पंजीयन किया जा रहा है। साथ ही घुमंतू पशुओं को उनके मालिकों को सौपने तथा गॉव में पशुओं के रखने की व्यवस्था की भी जा रही है। पशु चिकित्सा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के माध्यम से गायों की सेवा और संरक्षण के लिए किसान लगातार जागरूक हो रहे हैं, जिससे गाय गोद लेने वाले किसानों की संख्या में वृद्धि हो रही है। जिले में अब तक 04 हजार 429 पशुओं में टैगिंग तथा 865 रेडियम बेल्ट लगाया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com